xf.kr

कक्षा 2

सत्र 2019–20

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता Profile का चयन करें।

1 पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

2 मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

3 सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

© राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

प्रकाशन वर्ष — 2019

IYGN6Y

मार्गदर्शक

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग., रायपुर

मार्गदर्शन एवं सहयोग

श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)

संयोजक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

समन्वय एवं सम्पादन

श्री आर. के. सेंगर, डॉ. सुधीर श्रीवास्तव

लेखन

श्री आर.के. सेंगर, डॉ. सुधीर श्रीवास्तव, श्री मनोज मजूमदार, श्रीमती मधु गुप्ता, श्री सुशील जैन, श्री सच्चिदानंद पटनायक, श्री नीलेश वर्मा, श्री शंकर सिंह राठौर, श्री प्रेमप्रकाश शुक्ला, श्री संजय देवांगन, श्री डेकेश्वर वर्मा, श्री साधुराम यादव, कु. रजनी द्विवेदी, सुश्री मीना कालरा, सुश्री शगुफ्ता अंजुम, सुश्री ज्योति, श्री दिलीप तँवर, श्री संजय बोल्या, श्री गोविन्द सिंह

चित्रांकन

सुश्री अनीता वर्मा, राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े,

टंकण एवं ले आउट डिजाइनिंग

मो. इकराम, श्री राजेश सेन, मुकुन्द साहू, सुरेश साहू

आवरण

रेखराज चौरागड़े

प्रकाशक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर

मुद्रक

मुद्रित पुस्तकों की संख्या — ....

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003–04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग और मानव अधिकार आयोग प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बच्चों के बस्ते में बोझ से चिंतित है। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग भी इस चिंता को दूर करने के लिए प्रयासरत था। अंततः इस वर्ष उसकी पहल पर पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की एक नई प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। शासन द्वारा लिए गए निर्णय के फलस्वरूप इस वर्ष कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों के लिए हिन्दी, गणित और सामान्य अंग्रेजी की एक–एक समेकित पुस्तक होगी। इन पुस्तकों में वर्कबुक समावेशित है, अतः इन कक्षाओं के लिए पृथक से वर्कबुक बनाने की आवश्यकता अनुभव नहीं की गई।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन व चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा व गणित शिक्षण की नवीन अवधारणाओं पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत् प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरूआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे–धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

आप जानते हैं कि दस अंकों पर आधारित आधुनिक संख्या प्रणाली भारत में ही जन्मी और पूरे विश्व ने इसे अपनाया। इस संख्या प्रणाली में जिन दस अंक प्रतीकों का उपयोग किया जा रहा है उनके मूल स्वरूप भारतीय देवनागरी लिपि के हैं। देश की आने वाली पीढ़ियाँ इन्हें पहचानें और इन पर गर्व कर सकें इस उद्देश्य से उन पर अभ्यास के अवसर पाठ्य पुस्तक में जोड़े जा रहे हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से ETBs (Energized Text Books) एक अभिनव प्रयास है। इनका ऑन लाइन एवं ऑफ लाइन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों व पालकों के लिए सुझाव

अध्ययन–अध्यापन प्रक्रिया को रोचक और प्रभावशाली बनाने के लिए निरन्तर प्रयास होते रहे हैं। स्कूल पाठ्यक्रम में अलग–अलग विषयों को रखने के उद्देश्यों की तथा हर विषय की प्रकृति को समझने समझाने की भी कोशिशें हुई हैं। किन्तु बच्चों और शिक्षकों में इन सबके बारे में स्पष्ट और साफ–सुथरी तस्वीर देखने को नहीं मिलती। गणित के संदर्भ में यह बात विशेष रूप से कही जा सकती है।

यदि आप किसी से पूछें कि गणित क्या है, तो शायद आपको इस तरह के उत्तर मिलें – वस्तुओं को गिनना, संख्याओं में प्रदर्शित करना, संख्याओं पर संक्रियाएँ करना, रेखाएँ, आकृतियाँ, खींचना... आदि गणित है। हो सकता है कुछ जवाब इनसे अलग हो, पर मोटे तौर पर लगभग यही बातें सामने आएँगी।

इसके पहले कि हम आगे बढ़ें, आइए, थोड़ा समझने का प्रयास करें कि जब हम गणित का कोई सवाल हल कर रहे होते हैं तब क्या–क्या होता है। एक उदाहरण लें– ''एक बस एक घंटे में 35 किमी की दूरी तय करती है। 6 घंटे में कितनी दूरी तय कर सकेगी।''

यहाँ **समय** एक अमूर्त संकल्पना है। इसके एक छोटे से अंश को हमने एक मानक बना लिया और मानक से तुलना करके, समय के एक बड़े अंश को संख्याओं में व्यक्त कर लिया। ठीक इसी तरह **दूरी** के लिए भी हमने मानक की कल्पना की और एक दूसरी दूरी को इस मानक के आधार पर संख्याओं में व्यक्त किया।

अगले चरण में हम इन दोनों मानकों के बीच अंतर्सम्बन्ध देखते हैं। हम कहते हैं ''एक घंटे में 35 किलोमीटर की दूरी तय करती है।'' और फिर इस सम्बन्ध का उपयोग करते हुए जोड़ या गुणन संक्रिया का उपयोग करते हैं।

एक दूसरा उदाहरण देखें। एक किलोग्राम अनाज का मूल्य 16 रुपए है तो 54 किलोग्राम अनाज के लिए कितने रुपये देने होंगे?

यहाँ भी अनाज के ढेर में एक निश्चित मात्रा को हमने मानक बनाया और बड़े ढेर को संख्याओं में व्यक्त किया। इसी तरह की बात क्षेत्रफल तथा अन्य इकाइयों वाले उदाहरणों में देखी जा सकती है। इन उदाहरणों से यह बात स्पष्ट होती है कि गणित केवल गिनने या संख्याओं के साथ संक्रियाएँ करने तक ही सीमित नहीं है। इसी प्रकार आकृतियों व रेखाओं से सम्बन्धित गणित भी उनके बीच सम्बन्धों को खोजने व स्थापित करने पर आधारित है। उसमें जहाँ उपयोग के लिए मापन सम्मिलित है वहीं आकृतियों व रेखाओं को छाँटना, श्रेणीबद्ध करना व उनके गुण ढूँढना व स्थापित करना गणित का प्रमुख पहलू है।

सीखने की प्रारंभिक स्थिति में अमूर्त अवधारणाओं को व्यक्त करने, संक्रियाओं को समझने तथा आसपास की छोटी–छोटी समस्याओं को हल करने के लिए बच्चों को मूर्त (ठोस) वस्तुओं की मदद आवश्यक होती है किन्तु इन पर निर्भरता व इनकी आवश्यकता क्रमशः कम होती जाती है।

धीरे–धीरे बच्चे तर्क पूर्ण ढंग से सोचने लगते हैं। उनमें अमूर्त चिंतन की क्षमता बढ़ने लगती है। वे व्यावहारिक समस्याओं को अमूर्त धरातल पर ले जाकर हल करने तथा पुनः उन्हें व्यावहारिक रूप से व्यक्त करने

में समर्थ होने लगते हैं। वे समस्याओं को हल करने के तरीके भी खुद ही ढूँढने लगते हैं। इस पूरी प्रक्रिया से गुजरते हुए उनमें यह समझ भी विकसित होने लगती है कि वे दी गई जानकारियों का उपयोग कहाँ और कैसे करें।

अतः यह जरूरी हो जाता है कि गणित अध्यापन के समय बच्चों को सोचने और स्वयं कार्य करने के अधिक से अधिक मौके दिए जाएँ। ऐसा तभी होगा जब किसी समस्या को हल करके बताने के बजाए उसे हल करने की दिशा में आगे बढ़ने में बच्चों को सहायता पहुँचाई जाए। यह बात आरम्भ में अटपटी लग सकती है किन्तु बच्चे को स्वयं सोचने, निर्णय करके आगे बढ़ने का मौका दिए बिना गणित सिखाना संभव नहीं होगा। यदि बच्चे में इस क्षमता का विकास करने में हम सफल हो जाते हैं तो इससे उसमें आत्मविश्वास पैदा होगा और उसे गणित न तो कभी कठिन लगेगा न ही डरावना।

कक्षा एक की पुस्तक को तैयार करते समय इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि इसका उपयोग शिक्षक मार्गदर्शक के रूप में स्व–अध्ययन सामग्री की तरह कर सकें। बच्चे को सोचने और खुद आगे बढ़ने के अधिक से अधिक अवसर मिलें, ऐसा प्रयास किया गया है।

गणित सीखने के आरंभिक चरण में ठोस वस्तुओं एवं खेल गतिविधियों का उपयोग करना बच्चों को एक रोचक और प्रभावशाली शुरुआत देता है। इसलिए पुस्तक का आरम्भ गणित के खेलों से ही किया गया है। प्रारम्भिक चरण में एकाग्रता, हाथ का संतुलन, वस्तुओं को छाँटना, एक जैसी वस्तुएँ इकट्ठी करना, जोड़ी बनाना जैसे खेल रखे गए हैं। इन खेलों से छाँटने, वर्गीकरण करने, एक–एक की संगति को समझने तथा तुलना करने जैसी क्षमताओं का विकास हो सकेगा।

प्रत्येक पाठ में दी गई सामग्री पर काम करते हुए बच्चों को ठोस वस्तुओं से भी पर्याप्त अभ्यास करवायें। अभ्यास हेतु ठोस सामग्री क्या–क्या हो सकती है इसके लिए कुछ सुझाव हमने पुस्तक में दिए हैं और कुछ आपको और सोचने हैं। ठोस वस्तुओं के साथ गतिविधि कराने और खेलों की अतिरिक्त सामग्री तैयार करने का महत्त्वपूर्ण उद्देश्य यह है कि किसी भी नई अवधारणा को सीखने के क्रम में बच्चा ठोस वस्तुओं का उपयोग करते हुए स्वयं कार्य करे, संक्रियाओं को समझे और क्रमशः अमूर्त की ओर बढ़े। इस दौरान इन अवधारणाओं व संक्रियाओं के संदर्भ में भाषा का उपयोग करने के मौके भी देने चाहिए। उसका आत्मविश्वास बनाने के लिए ऐसे मौके छोटे समूहों में भी हों और शिक्षक के साथ अकेले में भी। यदि हर पाठ में इस तरह की गुंजाइश होती है तो गणित सीखने में आने वाली अनेक कठिनाइयाँ पैदा ही नहीं होंगी। बच्चों में गणित के प्रति एक अलग दृष्टिकोण बनेगा। इस बिन्दु पर थोड़ा ठहर कर चिंतन करने की जरूरत है।

एक और बात जो हम सभी महसूस करते हैं वह यह कि बच्चों को कहानियाँ बहुत अच्छी लगती है। यदि कोई कहानी रोचक ढंग से बच्चों के सामने कही जाती है तो वे सब कुछ भूल कर कहानी में खो जाते हैं। गणित की अमूर्त प्रकृति के लिए उसका कहानियों व संदर्भों में गुँथा होना आवश्यक है। इसको ध्यान में रखकर पूरी पुस्तक में कुछ पात्रों को चित्रों के माध्यम से स्थान दिया है। आप अपनी कल्पना से इन पात्रों को कोई नाम दीजिए और एक छोटी सी कहानी गढ़कर हर पन्ने की शुरुआत में बच्चों को सुनाइये। खेल, ठोस वस्तुओं से गतिविधियाँ और कहानियों में गुँथी हुई छोटी–छोटी समस्याएँ बच्चों को स्वयं गणित का आधार बनाने में मदद करेंगी।

कोई भी पाठ या गतिविधि अपने आप में पूरी नहीं होती। यहाँ दी गई सामग्रियाँ आपके लिए संकेत मात्र हैं। आप अपने बच्चों की आवश्यकता और रुचि के अनुसार नई सामग्री, नई गतिविधि, नए खेल तैयार कर उसका उपयोग कीजिए। इसके लिए हमने कुछ संकेत भी दिए हैं। जहाँ–जहाँ हमें लगा कुछ और किया जाना चाहिए वहाँ उसके नीचे चित्रों के रूप में संकेत दिए गए हैं। इन संकेतों के अर्थ पुस्तक के आरम्भ में दिए गए हैं। आप थोड़ा प्रयास करें तो बच्चे भी इन संकेतों का अर्थ समझकर उसके अनुसार कार्य कर सकेंगे।

संक्षेप में :–

– बच्चों को स्वयं पुस्तक उलटने–पुलटने, चित्र देखने व पढ़ने का मौका दें।

– पुस्तक के हर पन्ने पर रोचक गतिविधियाँ और अभ्यास दिए गए हैं। ऐसे और भी अभ्यास आप बनाएँ, बच्चों से भी बनवाएँ और उनसे हल करवाएँ।

– किसी नई बात को सीखने व समझने के लिए बच्चों को पर्याप्त समय दें। बच्चे नई बात सीखने के अपने तरीके खुद बनाते हैं। उन्हें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

– सवाल हल करने का उद्देश्य गणित को समझना है। कुछ एक सवालों को हल करना या हल याद करवाना गणित सिखाना नहीं है। इसलिए बच्चों को अपने तरीके से सवाल हल करने, नए सवाल बनाने को प्रोत्साहित करें।

– किसी नई अवधारणा को सीखने में या किसी सवाल को हल करने में बच्चों से स्वाभाविक रूप से गलतियाँ होंगी। उनकी गलतियों पर उन्हें हतोत्साहित न करें बल्कि हल करने के नए विकल्प, नए रास्ते सोचने के तरीके सुझाएँ।

– बहुत सी बातें बच्चे एक दूसरे से भी सीखते हैं। अतः बच्चों को एक दूसरे से बातचीत करने व समूहों में काम करने की छूट दें, व समूह में जो काम किया है उसे प्रस्तुत करने के अवसर दें।

– यदि बच्चों को किसी भी सवाल को हल करने में समस्या होती है तो बातचीत के दौरान उनसे इस तरह के प्रश्न पूछें जिससे उन्हें उस सवाल को करने में मदद मिले।

– पुस्तक में दी गई सामग्री संकेत मात्र है। बच्चों की आवश्यकता, रुचि, पृष्ठभूमि के अनुसार नई सामग्री, गतिविधि, एवं खेल तैयार करें व उपयोग करें। इसके लिए पुस्तक में कुछ संकेत चिह्न भी हैं। संकेतों के अर्थ पुस्तक के आरम्भ में दिए गए हैं। आप कोशिश करें कि बच्चे भी संकेत समझने लगें ताकि वे स्वयं उनके अनुसार कार्य कर सकें।

यह पुस्तक बच्चों से व आपसे संवाद का एक प्रयास भी है। आपके अनुभवजन्य सुझाव इसे बेहतर बनाएँगे, इसलिए अपने सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

लेखक मण्डल

विषय–सूची

अध्याय	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
1.	दोहराना	1–14
2.	संख्याएँ	15–37
3.	जोड़ना	38–57
4.	घटाना	58–77
5.	गुणा	78–94
6.	भाग	95–100
7.	लम्बाई	101–106
8.	भार	107–110
9.	धारिता	111–113
10.	समय	114–116
11.	आकृतियाँ	117–122
12.	मुद्रा	123–125
13.	आँकड़ों की समझ	126–127
14.	gekj noukxjh vad] ifjp; vkj vH;kl	128&170

इन्हें पहचान लें

ठोस वस्तुओं से गतिविधियाँ करें

ऐसे और भी अभ्यास करें

कार्ड से अभ्यास करें

समूह में चर्चा करें/समूह में क्रिया करें/एक दूसरे को सवाल दें।

पासे से गतिविधियाँ करें

नए सवाल बनाएँ

किताब में जगह–जगह आपको ऐसे चिह्न दिखाई देंगे। वहाँ आपको संकेत के अनुसार क्रियाएँ करनी हैं। समूह चर्चा व नए सवाल एक साथ होने का आशय है कि समूह का हर सदस्य सवाल बनाए। इन सवालों को वह अपने समूह के साथियों को हल करने को दे सकता है। यह भी हो सकता है कि समूह के सभी सदस्य मिलकर सवाल बनाएँ व दूसरे समूहों को हल करने को दें।

ISX37A

अध्याय 1 दोहराना

गोलों पर कंकड़ जमाओ, गिनकर लिखो।

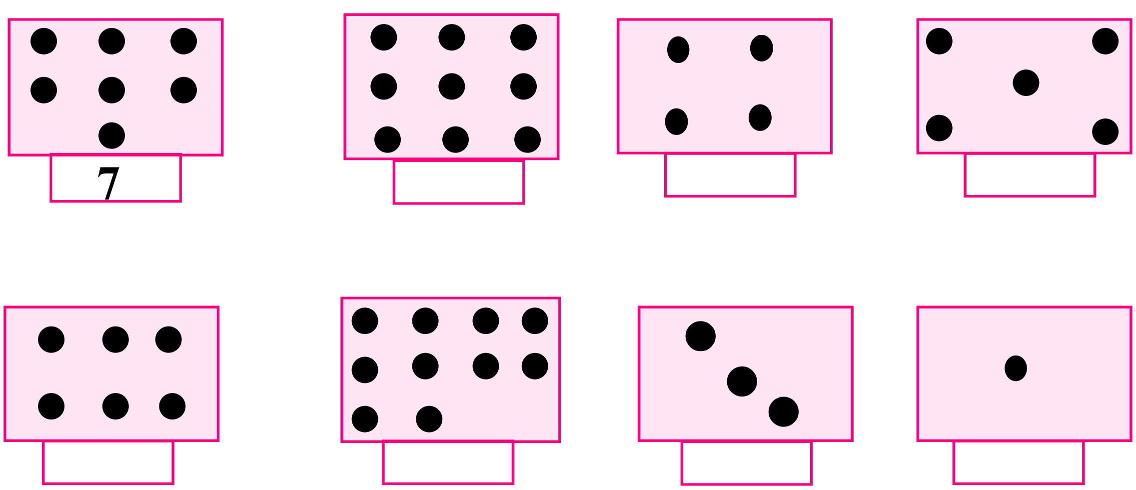

फूलों की हर पंखुड़ी पर एक–एक कंकड़ रखो।
सबसे ज्यादा पंखुड़ी वाले फूलों पर ✓ का निशान लगाओ।
सबसे कम पंखुड़ी वाले फूलों पर **x** का निशान लगाओ।

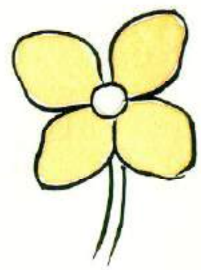

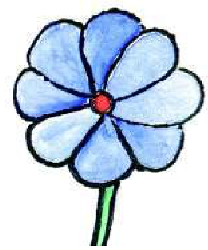

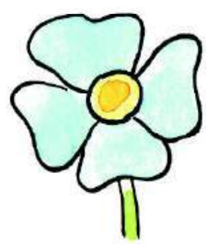

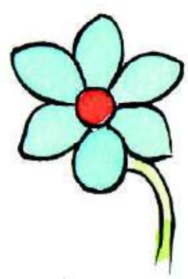
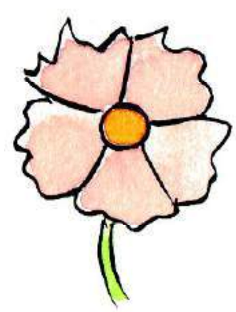

दोहराना 3

कछुओं की पीठ पर गोले बने हैं। हर गोले पर एक बीज रखो।

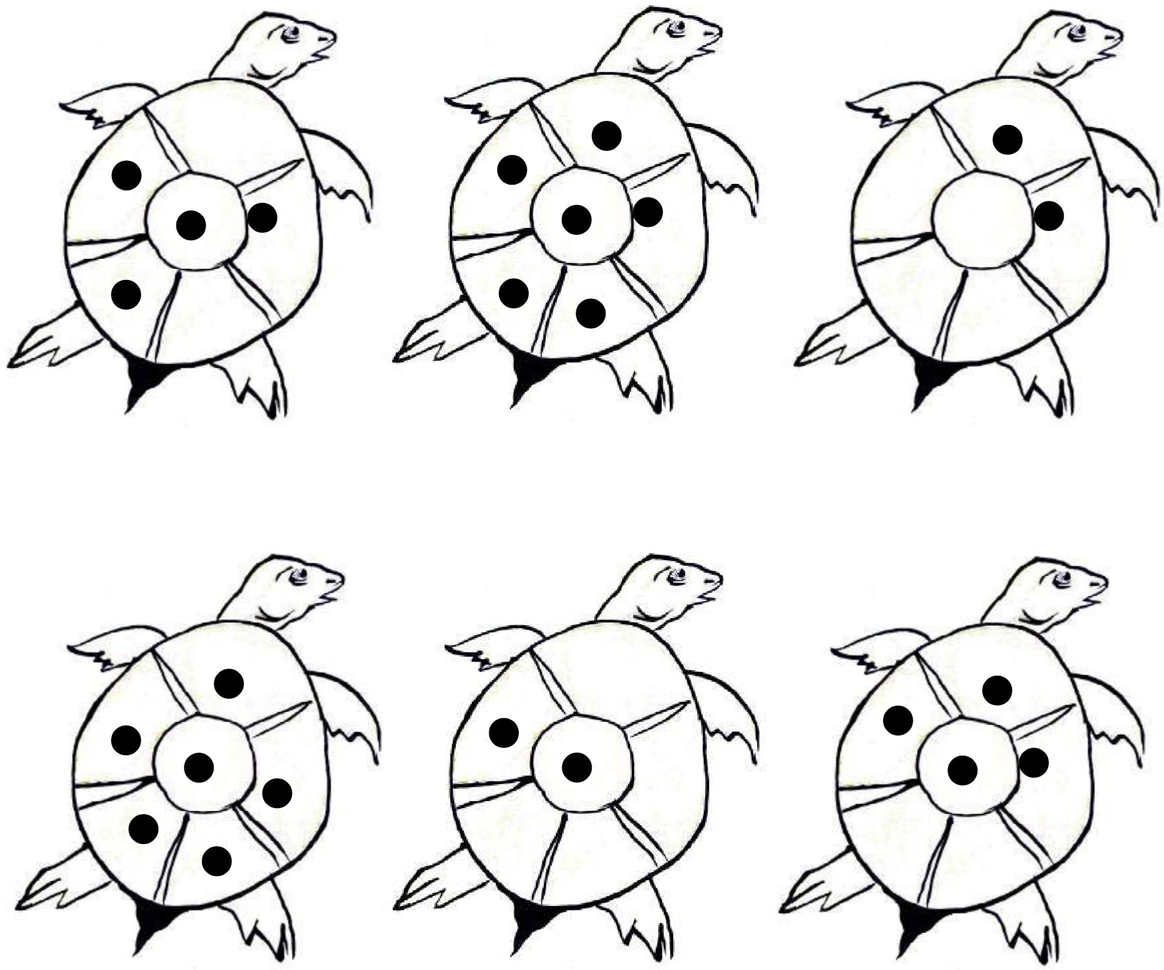

बराबर बीज वाले कछुओं को लाइन खींचकर मिलाओ।

सबसे अधिक बीज वाले दोनों कछुओं पर लाल रंग भरो।

सबसे कम बीज वाले दोनों कछुओं पर हरा रंग भरो।

बचे कछुओं पर नीला रंग भरो।

लाल कछुए की पीठ पर कितने गोले हैं? ☐

हरे कछुए की पीठ पर कितने गोले हैं? ☐

लाल कछुए की पीठ पर हरे कछुए से कितने गोले अधिक हैं? ☐

तीलियों से दस–दस के बंडल बनाओ।

नीचे बंडल और तीलियों के चित्र बने हैं उन पर उतने बंडल और तीलियाँ रखो। सही संख्या से मिलाओ।

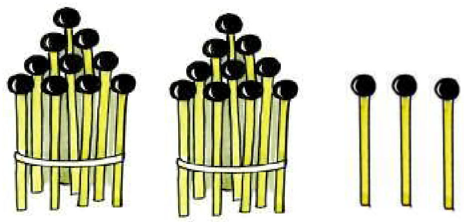

35
53

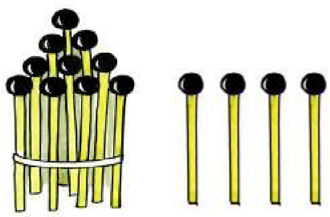

24
42

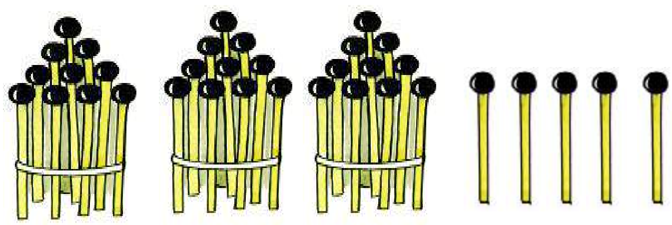

30
03

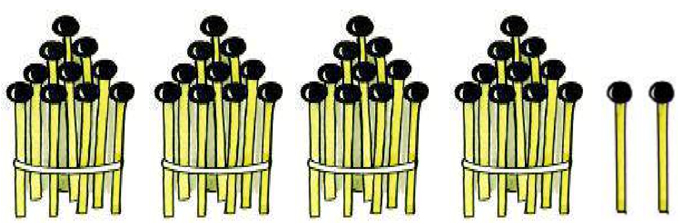

23
32

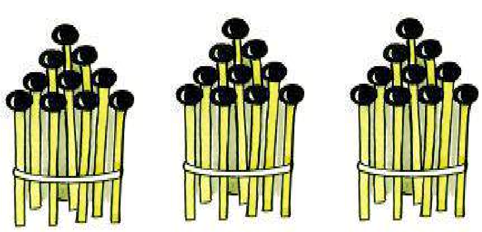

41
14

जो संख्याएँ बच गई हैं, उन्हें, बंडल और तीली की सहायता से बना कर, अपने शिक्षक को दिखाओ।

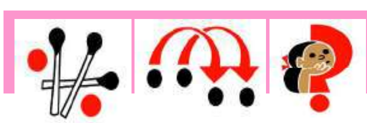

चित्र में बने रास्ते की खाली जगहों में छूटी हुई संख्याएँ लिखो।

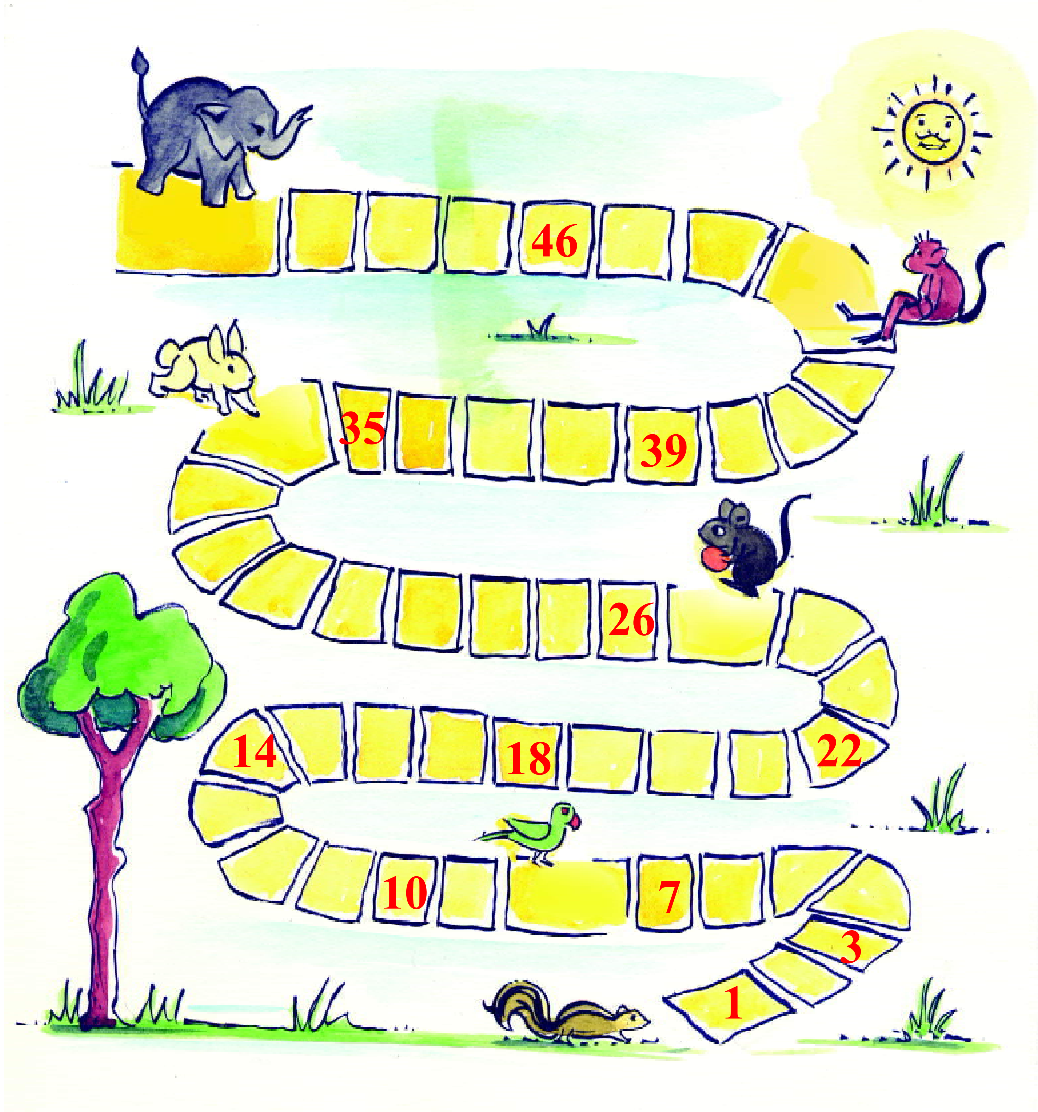

अब बताओ –

(1) तोता कौन से खाने में बैठा है? ☐

(2) चूहा कौन से खाने में बैठा है? ☐

(3) गिलहरी किन–किन खानों से चल कर तोते तक पहुँचेगी? ☐☐☐☐☐☐☐

(4) खरगोश और बंदर में से, संख्या 36 के पास कौन है? ——————————

(5) हाथी और बंदर के बीच कौन सी संख्या एक जैसे अंकों से बनी है? ☐

नीचे कुछ चित्र बने हैं उनके खानों में छूटी हुई संख्याएँ क्रम से लिखो।

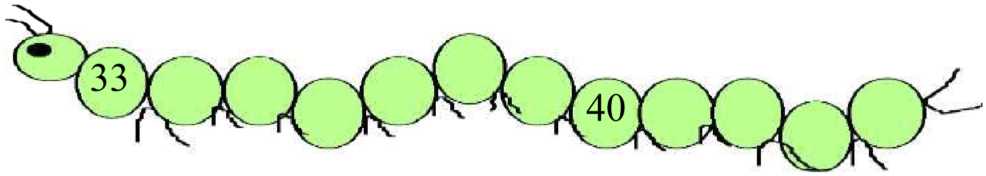

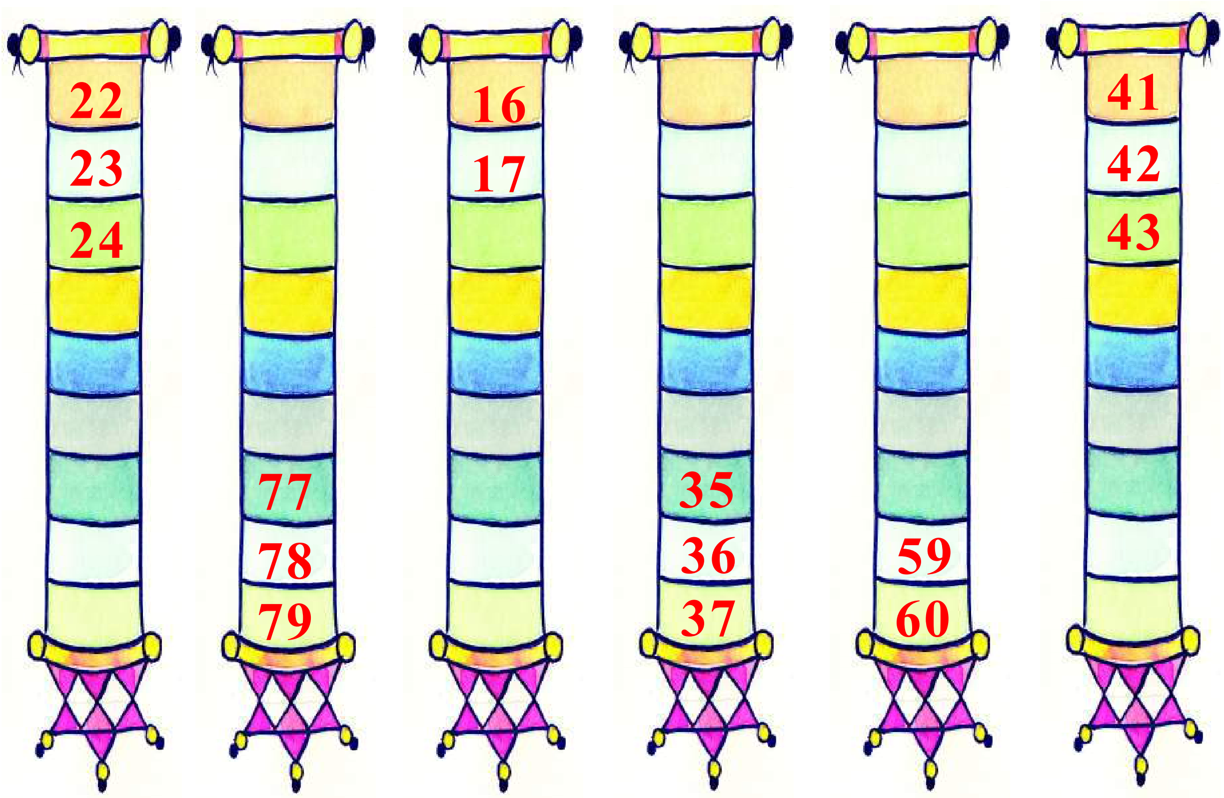

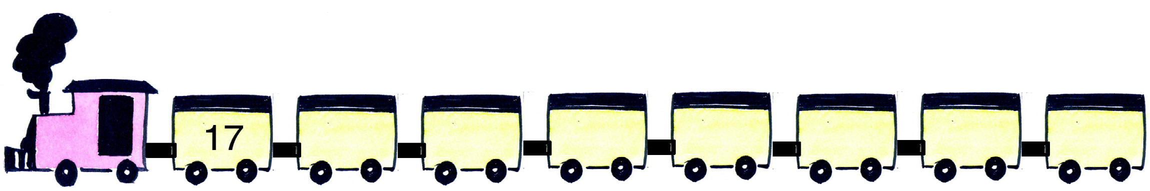

इसी प्रकार तुम भी और चित्र बनाओ और उनमें छूटी हुई संख्याएँ अपने साथियों से लिखवाओ।

क्रम से संख्याएँ मिलाओ और देखो क्या बना?

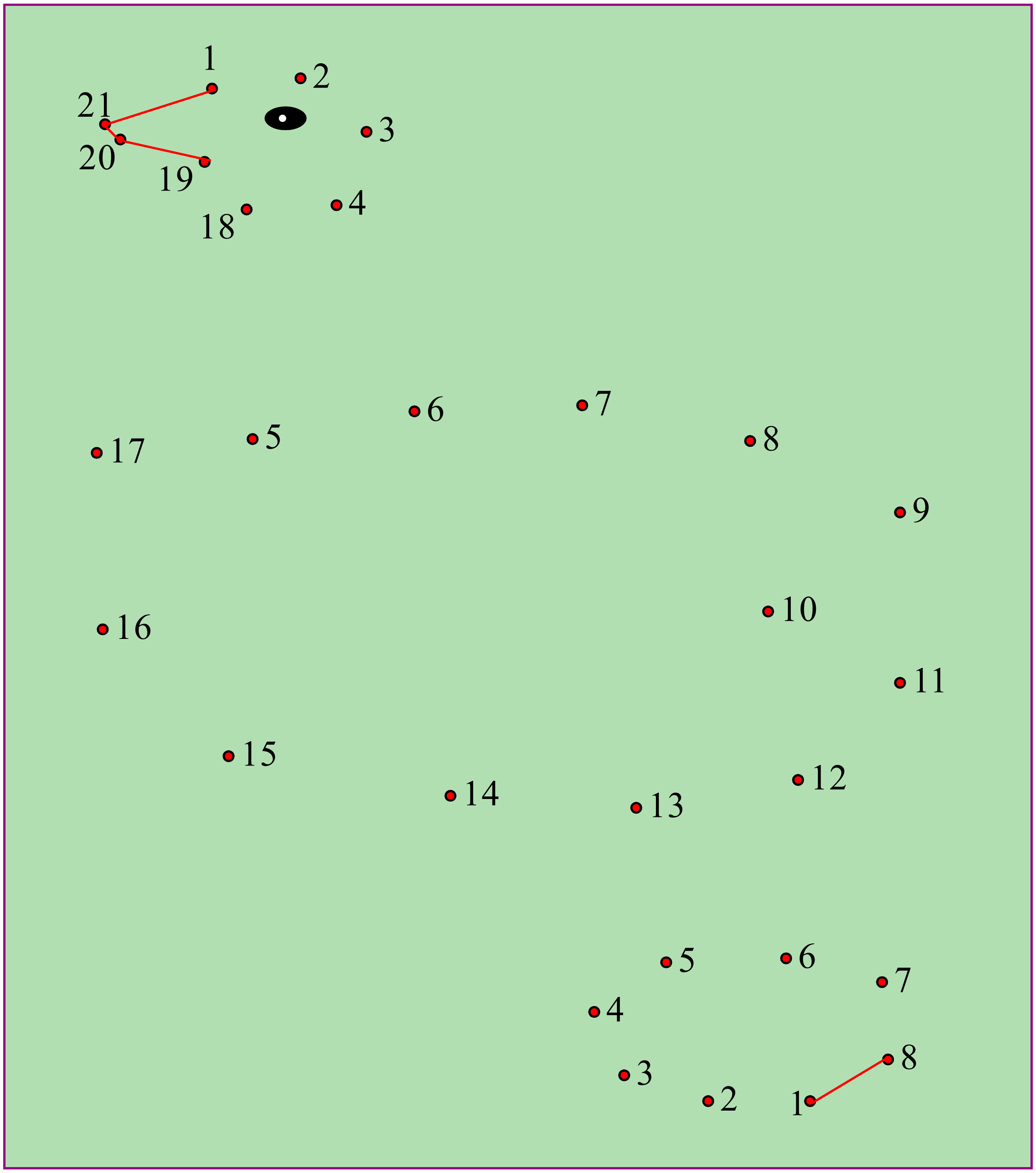

ऐसे और भी चित्र बनाओ।

एक संख्या छोड़कर गोला बनाओ।

1	(2)	3	(4)	5	6	7	8	9	10

जिन संख्याओं पर गोला लगा है उन्हें लिखो।

दो संख्या छोड़कर गोला बनाओ।

1	2	(3)	4	5	(6)	7	8	9	10

जिन संख्याओं पर गोला लगा है उन्हें लिखो।

क्रम को आगे बढ़ाओ।

2	4	6				

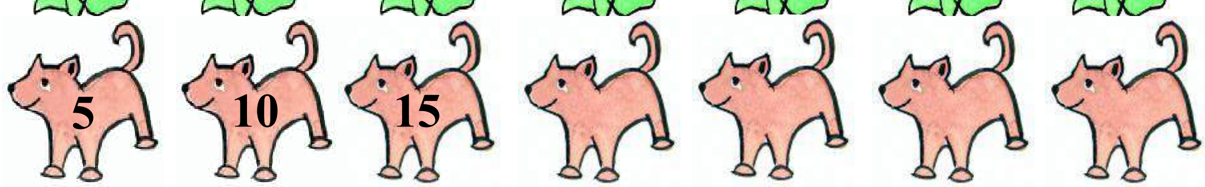

बढ़ते क्रम में लिखो।

39	37	38

10	12	9

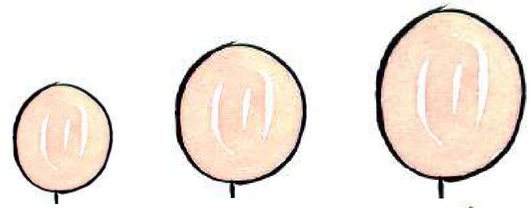

23	29	15

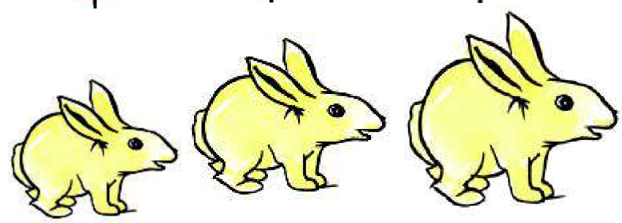

घटते क्रम में लिखो।

10	6	15

37	16	31

40	10	30

25	16	31

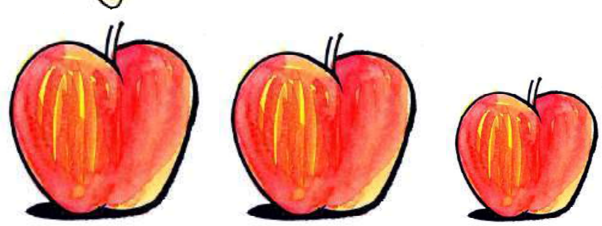

संख्या पैटर्न

पैटर्नों को देखो। पैटर्न को समझकर खाली जगह पर सही संख्या लिखो।

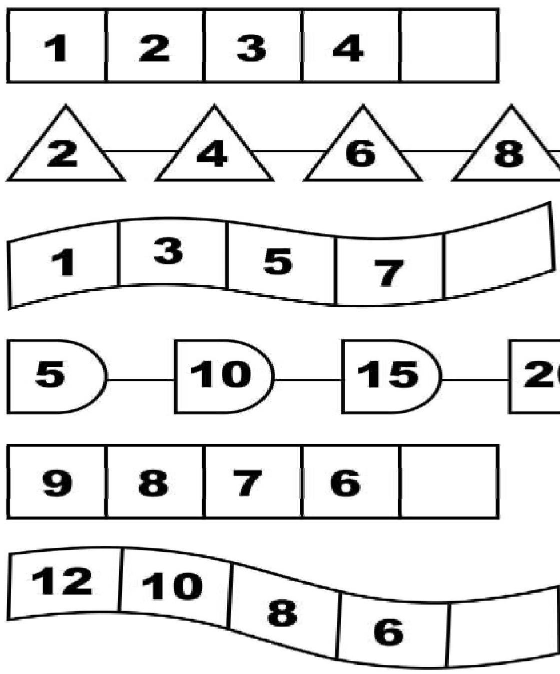

ध्यान से देखो और आगे के खानो को भरो –

20	30	40				

3	6	9				

30	29	28				

1	5	9				

माचिस की कुछ तीलियाँ लो। जितनी संख्या लिखी है, उतनी तीलियाँ रखो और जोड़कर बताओ।

3	और +	2	बराबर =	5
2	और +	1	बराबर =	
4	और +	3	बराबर =	
5	और +	4	बराबर =	
4	और +	2	बराबर =	
5	और +	1	बराबर =	
7	और +	2	बराबर =	

अपने शिक्षक से संख्या कार्ड लो। दो कार्ड पर लिखी संख्याओं के बराबर तीलियाँ अलग–अलग निकालो फिर दोनों को मिलाकर गिनो।

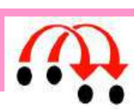

जितने गोले हैं उतने बीज लो। जितने गोले कटे हैं उतने बीज निकाल दो। बचे बीजों की संख्या डिब्बे में लिखो।

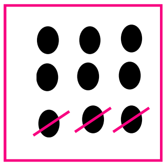
9 − 3 = 6

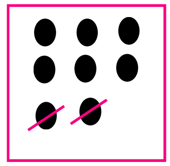
8 − 2 = □

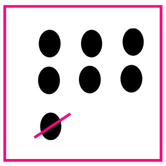
7 − □ = □

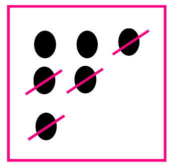
6 − □ = □

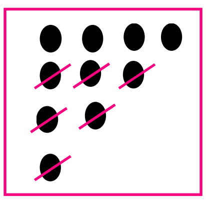
□ − □ = □

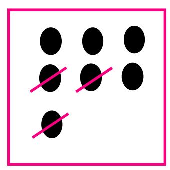
□ − □ = □

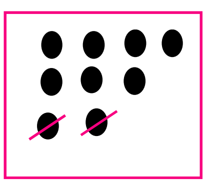
□ − □ = □

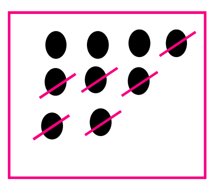
□ − □ = □

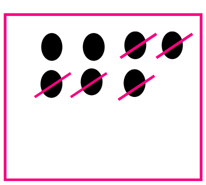
□ − □ = □

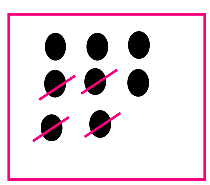
□ − □ = □

जोड़ो –

$4 + 3 =$ ☐ $5 + 1 =$ ☐

$3 + 5 =$ ☐ $8 + 2 =$ ☐

$\begin{array}{r} 5 \\ +\ 5 \\ \hline \end{array}$ $\begin{array}{r} 4 \\ +\ 2 \\ \hline \end{array}$ $\begin{array}{r} 6 \\ +\ 2 \\ \hline \end{array}$ $\begin{array}{r} 4 \\ +\ 3 \\ \hline \end{array}$ $\begin{array}{r} 6 \\ +\ 4 \\ \hline \end{array}$

$\begin{array}{r} 5 \\ +\ 1 \\ \hline \end{array}$ $\begin{array}{r} 8 \\ +\ 1 \\ \hline \end{array}$ $\begin{array}{r} 2 \\ +\ 2 \\ \hline \end{array}$

घटाओ –

$9 - 6 =$ ☐ $8 - 4 =$ ☐

$4 - 1 =$ ☐ $7 - 4 =$ ☐

$\begin{array}{r} 9 \\ -\ 3 \\ \hline \end{array}$ $\begin{array}{r} 7 \\ -\ 2 \\ \hline \end{array}$ $\begin{array}{r} 4 \\ -\ 2 \\ \hline \end{array}$ $\begin{array}{r} 3 \\ -\ 1 \\ \hline \end{array}$ $\begin{array}{r} 9 \\ -\ 4 \\ \hline \end{array}$ $\begin{array}{r} 3 \\ -\ 1 \\ \hline \end{array}$

ऐसे और भी सवाल बनाकर हल करो।

सवाल पढ़ कर उसके उत्तर खाने में लिखो।

1. रामू के पास [7] फूल थे।
   उसे [2] फूल और मिल गए।
   बताओ अब उसके पास कितने फूल हो गए ? [ ]

2. कमला के पास [5] रुपए थे।
   उसकी माताजी ने उसे [3] रुपये और दे दिए।
   बताओ अब उसके पास कुल कितने रुपए हो गए? [ ]

3. रजनी के बगीचे में गुलाब के [8] और गेंदे के [11] पौधे हैं।
   उसके बगीचे में कुल कितने पौधे हैं? [ ]

4. तुम्हारे पास [10] पेंसिलें थीं।
   तुमने [4] पेंसिलें अपने भाई को दे दीं।
   अब तुम्हारे पास कितनी पेंसिलें बच गईं? [ ]

ISZ46D

5. बहिन जी के पास [10] किताबें थीं।
   उन्होंने [5] किताबें बच्चों को बाँट दीं।
   अब बहिन जी के पास कितनी किताबें बचीं? [ ]

6. मोहन बाज़ार से [15] गुब्बारे खरीदकर लाया।
   उनमें से [5] गुब्बारे फूट गये।
   बताओ अब उसके पास कितने गुब्बारे बचे? [ ]

अध्याय 2 संख्याएँ

1. कौन किस स्थान पर है?

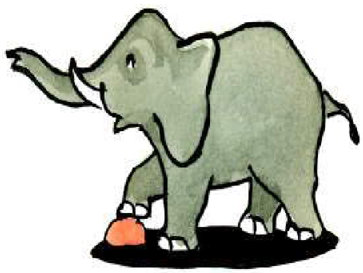

पहला

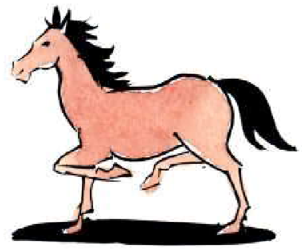

दूसरा

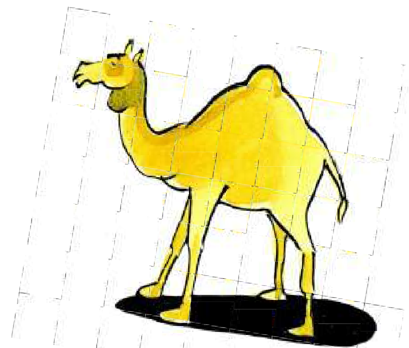

तीसरा

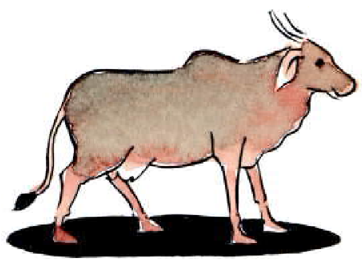

पाँचवाँ

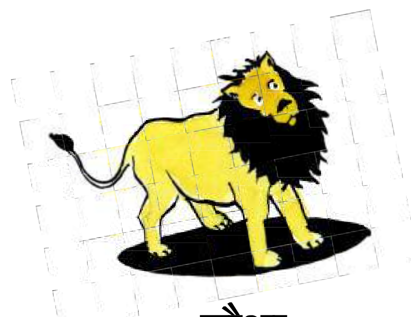

चौथा

चित्र देखकर बताओ–

1. पहले स्थान पर कौन है? ______
2. तीसरे स्थान पर कौन है? ______
3. शेर का कौनसा स्थान है? ______
4. घोड़े का कौनसा स्थान है? ______

अब सभी बच्चे पाँच–पाँच के समूह में बँट जाओ। सबसे छोटा बच्चा सबसे आगे लगे फिर उससे लंबा उसके पीछे। इस तरह से एक पंक्ति बना लो।

पता लगाओ तुम्हारी पंक्ति में कौन सबसे छोटा है और कौन सबसे बड़ा।

कौन किस स्थान पर

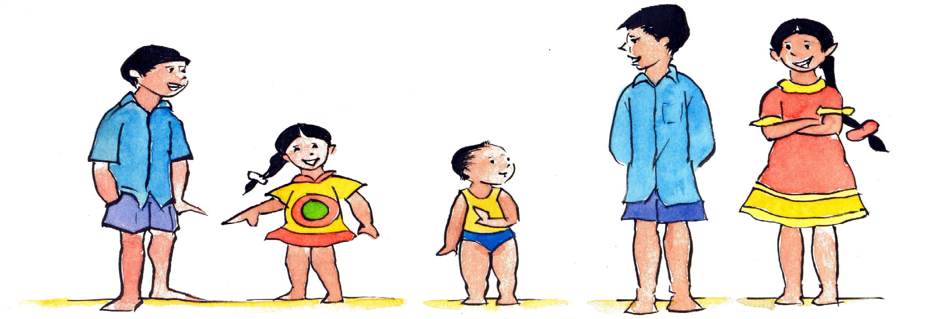

राकेश मीना संजय रवि गीता

1. पहले स्थान पर राकेश है। ....
2. कौन दूसरे स्थान पर है? ....
3. पाँचवें स्थान पर कौन है? ....
4. संजय कौन से स्थान पर है? ....
5. रवि का स्थान कौन सा है? ....

और भी वस्तुओं के साथ यह अभ्यास करें। कक्षा में समूह में बँटकर भी यह अभ्यास कर सकते हैं।

रेलगाड़ी के डिब्बे

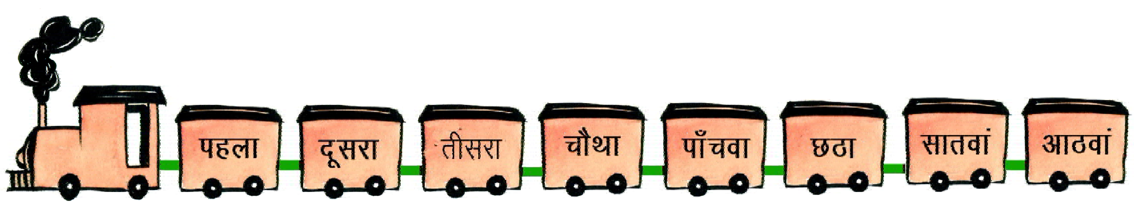

इंजन के बाद पहला डिब्बा है।

तीसरे डिब्बे पर (✓) का चिह्न लगाओ।

आठवें डिब्बे पर (X) का निशान लगाओ।

पाँचवें डिब्बे में (O) बनाओ।

सातवें डिब्बे में (△) का निशान लगाओ।

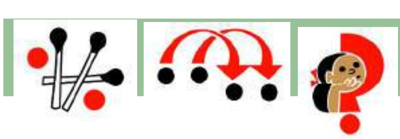

तारा और उसके पड़ोसी

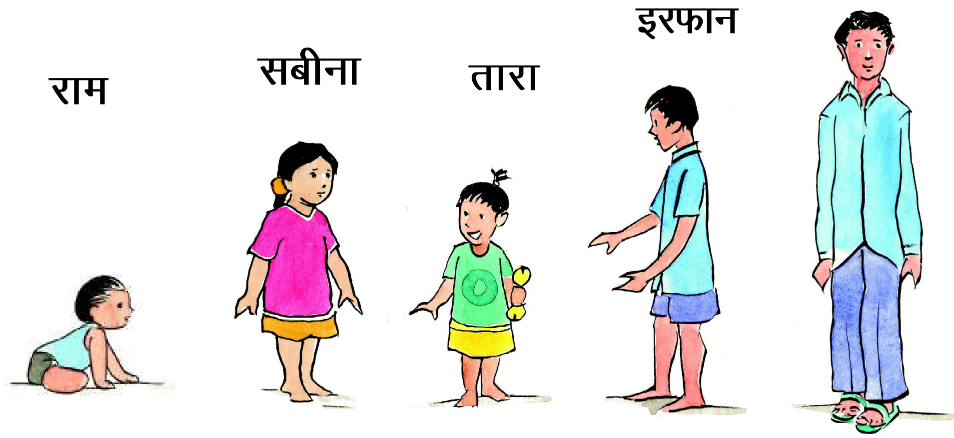

(1 वर्ष) (4 वर्ष) (3 वर्ष) (10 वर्ष) (15 वर्ष)

तारा और उसके पड़ोसियों को उम्र के बढ़ते क्रम में जमाओ।
सबसे छोटे को सबसे पहले, उससे बड़े को उसके बाद और अंत में सबसे बड़े को।

	नाम	उम्र
पहला		
दूसरा		
तीसरा		
चौथा		
पाँचवाँ		

तालिका देखकर बताओ–

1. सबसे बड़े बच्चे का कौनसा स्थान है?
2. इरफान का कौनसा स्थान है?
3. तीसरे स्थान पर कौन है?

अपने आस–पास के बच्चों के नाम और उम्र पता करो। उनके नाम भी उम्र के हिसाब से क्रम में लिखो।

सबसे पहले कौन?

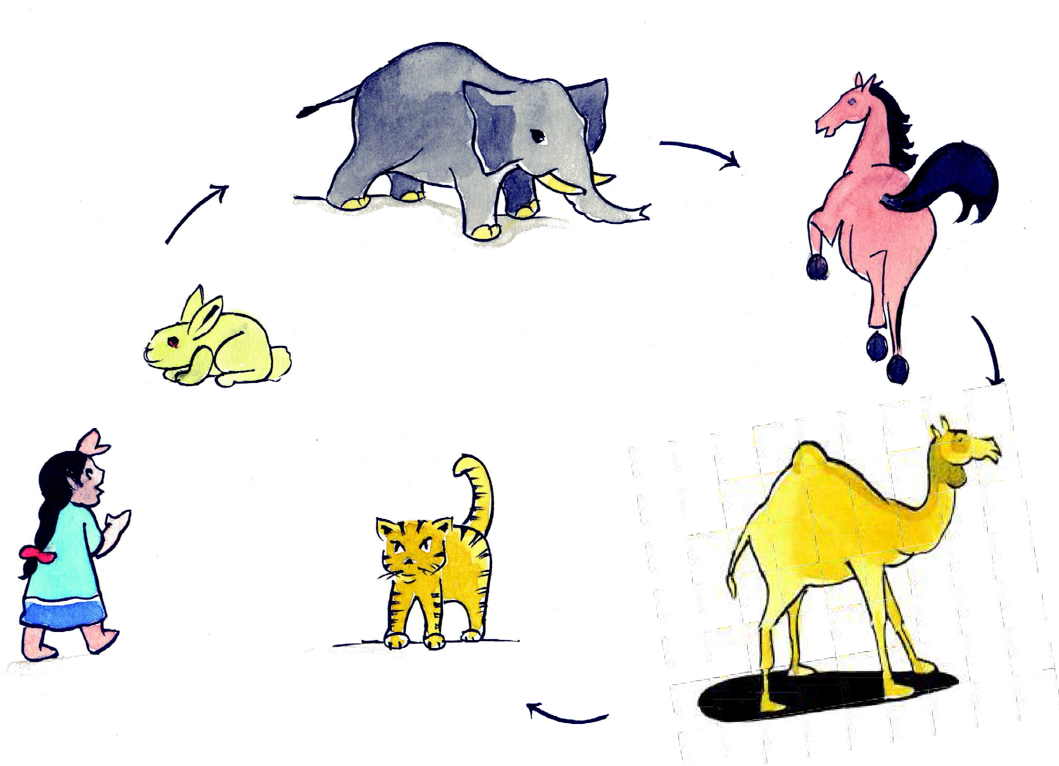

तीर के निशान के अनुसार चलो और बताओ कि गुड़िया को कौन–कौन मिला। सभी के नाम क्रम से नीचे की तालिका में भरो।

पहला	दूसरा	तीसरा	चौथा	पाँचवाँ

ऐसे और भी चित्र ढूँढ़ो व उन्हें तीर के अनुसार क्रम में जमाओ।

सम व विषम संख्याएँ

नीचे गोले में लिखी संख्याओं के बराबर कंकड़ लो। अब इनसे दो–दो कंकड़ों के समूह बनाओ। कितने समूह बने, कितने कंकड़ बचे? उनकी संख्या लिखो।

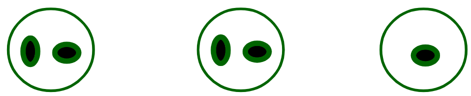

संख्या	समूह	बचे कंकड़
5	2	1
17		
38		
13		
14		
49		
10		

जिन संख्याओं में समूह बनाने के बाद एक कंकड़ बचा उनको नीचे लिखो–

इन्हें **विषम संख्याएँ** कहते हैं।

अब वे संख्याएँ लिखो जिनमें समूह बनाने के बाद एक भी कंकड़ नहीं बचा।

इन्हें **सम संख्याएँ** कहते हैं।

ऐसी और भी संख्याएँ चुनकर सम एवं विषम संख्याओं की पहचान करो।

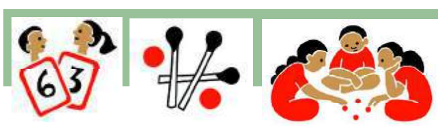

कंकड़ बचे क्या?

जितनी संख्या है उतने कंकड़ लो।

दो–दो कंकड़ों के समूह बनाओ।

जिन संख्याओं में समूह बनाने के बाद एक भी कंकड़ न बचे उस पर गोला लगाओ।

8 =

(8)	9	15	14	7
3	10	18	13	20
28	21	12	17	5
30	35	22	19	32

अब जिन संख्याओं पर गोले बने उन्हें यहाँ नीचे लिखो – (सम संख्याएँ)

जिन पर गोले नहीं बने उन संख्याओं को यहाँ नीचे लिखो – (विषम संख्याएँ)

अपने दोस्तों को कोई भी संख्या देकर पूछो कि वह सम है या विषम।

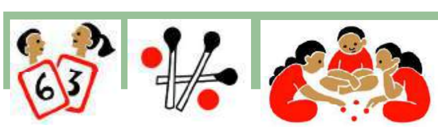

समझो और करो।

नीचे लिखी हुई किन संख्याओं के बराबर वस्तुएँ लेने पर दो–दो के समूह बन जाएँगे और एक भी वस्तु नहीं बचेगी।

जिन संख्याओं के साथ ऐसा होता है उन सब पर गोल घेरा लगाओ।

2 4

8 10

46 7

19 3 28

15

35 24

किन संख्याओं में पूरे जोड़े नहीं बनेंगे? उन संख्याओं पर चौकोर ☐ बनाओ।

47

35 8 39

13

16 10 43

15 32

सम संख्याओं को बढ़ते क्रम में लिखो।

2 → 4 → 6 → ◯ → ◯ → ◯ → ◯ → ◯

24 → 26 → 28 → ◯ → ◯ → ◯ → ◯ → ◯

विषम संख्याओं को बढ़ते क्रम में लिखो।

1 → 3 → 5 → ◯ → ◯ → ◯ → ◯ → ◯

35 → 37 → 39 → ◯ → ◯ → ◯ → ◯ → ◯

सम संख्या पहचानो।

1 से 50 तक की संख्याओं में सम संख्याओं पर गोला ◯ बनाओ।

1	11	21	31	41
2	12	22	32	42
3	13	23	33	43
4	14	24	34	44
5	15	25	35	45
6	16	26	36	46
7	17	27	37	47
8	18	28	38	48
9	19	29	39	49
10	20	30	40	50

कितने बंडल कितनी तीली?

अपने शिक्षक से माचिस की तीलियाँ लो। नीचे जितनी संख्या दी हैं उतनी तीलियाँ निकालो।

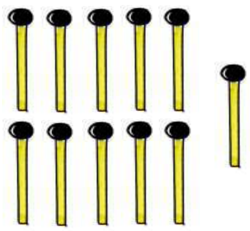

11

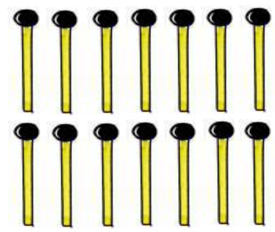

14

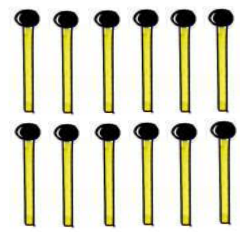

12

निकाली हुई तीलियों में से 10 तीलियों को धागे से बाँधकर एक बंडल बना लो। कितनी तीलियाँ बच गईं?

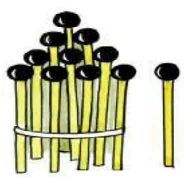

11

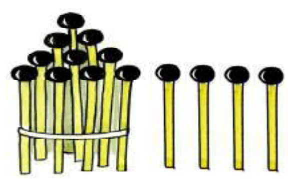

14

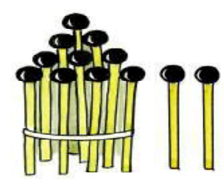

12

कितने बंडल बने व कितनी तीलियाँ बचीं?

नीचे लिखी संख्याओं के बराबर तीलियाँ निकालो। दस–दस के बंडल बनाओ। बताओ कि कितने बंडल बने एवं कितनी तीलियाँ बचीं?

	बंडल की संख्या	बची हुई तीलियों की संख्या
15		
19		
21		
26		

और भी संख्याएँ लेकर बंडल बनाओ और बची तीलियों को गिनो। तुम माचिस की तीलियों के अलावा मोती, कंकड़, बीज कुछ भी ले सकते हो।

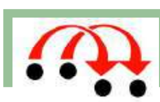

कितनी माला बनीं?

अब सभी बच्चे अपने शिक्षक से कुछ मोती लो। दस–दस मोतियों की माला बनाकर गिनो। कितनी मालाएँ बनीं ?

मोती	माला	माला की संख्या
10	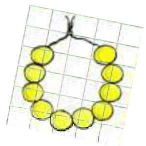	1
20		
30		
40		
50		
60		
70		
80		
90		
100		

इसी प्रकार अन्य संख्याओं के साथ भी अभ्यास करो।

आगे बढ़ें।

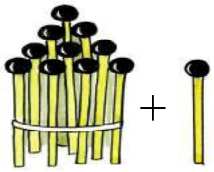	दस और एक	10	+	1	=	11
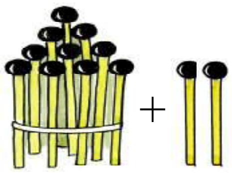	दस और दो	10	+	2	=	□
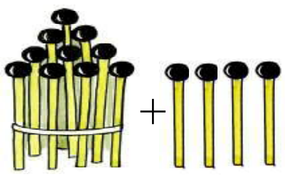	दस और चार	10	+	4	=	□
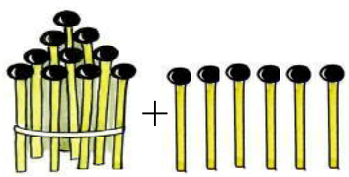	दस और छः	10	+	6	=	□
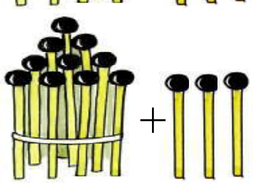	दस और तीन	□	+	□	=	□
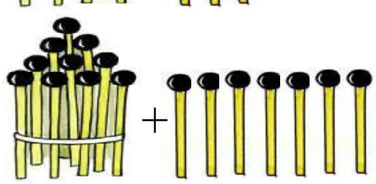	दस और सात	□	+	□	=	□
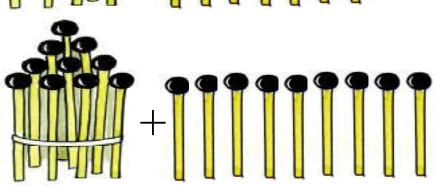	दस और नौ	□	+	□	=	□
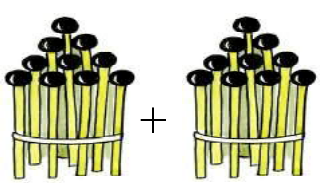	दस और दस	□	+	□	=	□

ऐसे ही अभ्यास 20 से 50 तक संख्याओं के साथ करो।

कुछ और अभ्यास

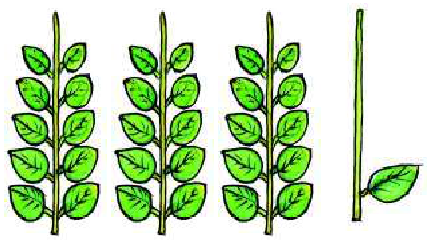

30 + 1 = 31

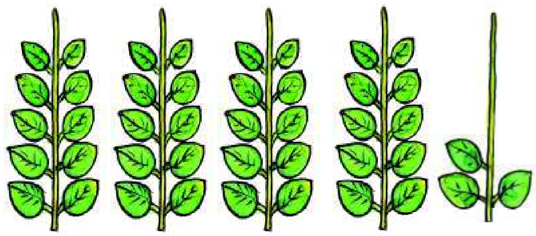

40 + 3 = ☐

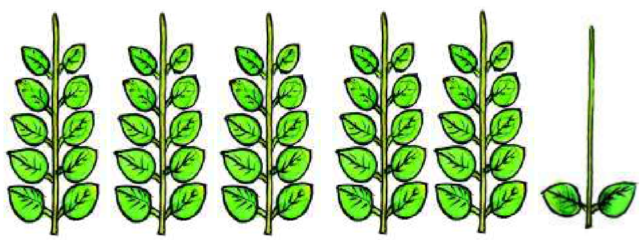

50 + ☐ = ☐

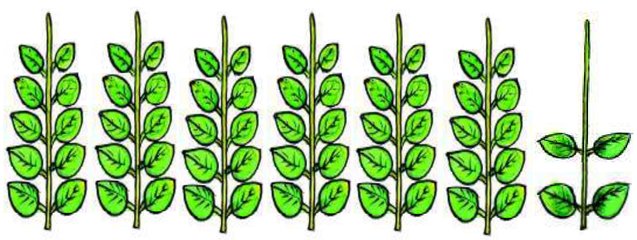

☐ + ☐ = ☐

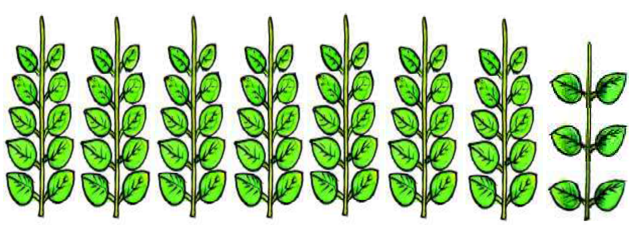

☐ + ☐ = ☐

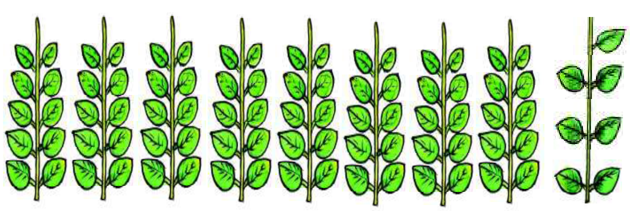

☐ + ☐ = ☐

हल करो तो मानें।

नीचे बने अंगूरों के गुच्छे देखकर अंगूरों की संख्या लिखो।

☐ 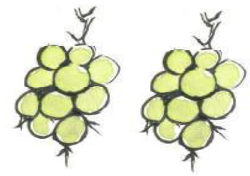 ☐

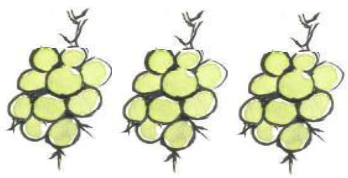 ☐ 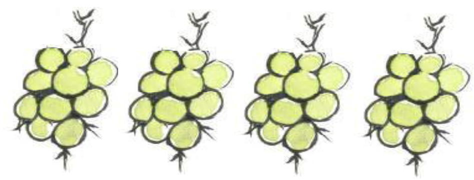 ☐

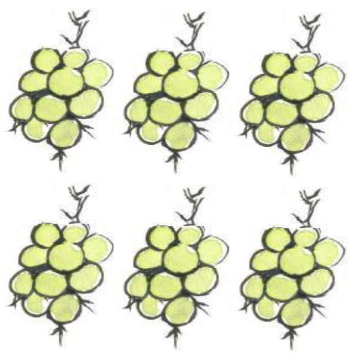 ☐ 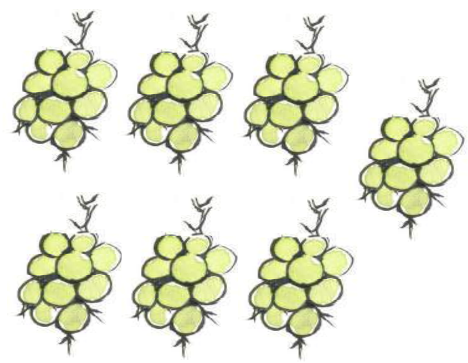 ☐

ऐसे ही दस–दस अंगूरों के गुच्छे गिनकर हम यह जान सकते हैं कि–

5 गुच्छे = 10 + 10 + 10 + 10 + 10 = 50 अंगूर

3 गुच्छे = ☐ + ☐ + ☐ = ☐

2 गुच्छे = ☐ + ☐ = ☐

4 गुच्छे = ☐ + ☐ + ☐ + ☐ = ☐

माला और मोती

आओ कुछ और अभ्यास करें –

23 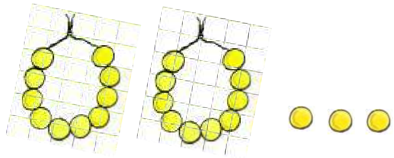 = [20] + [3]

34 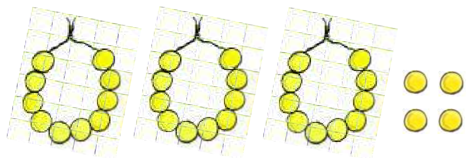 = [ ] + [ ]

45 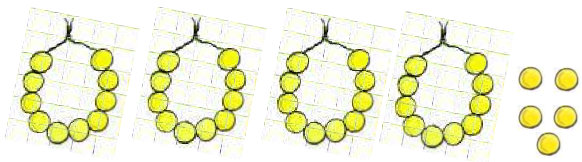 = [ ] + [ ]

56 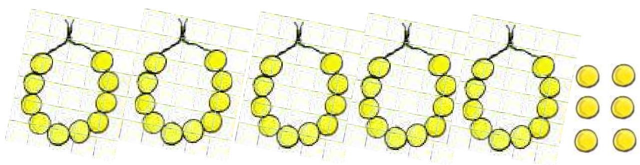 = [ ] + [ ]

तुमने देखा कि संख्या 23 में 10–10 मोतियों की 2 मालाएँ बनती हैं एवं 3 मोती बच जाते हैं, इसे हम इस प्रकार लिख सकते हैं।

23	=	दो माला	+	तीन मोती	=	2 दहाई	+	3 इकाई
34	=	तीन माला	+	चार मोती	=	3 दहाई	+	4 इकाई
45	=	चार माला	+	पाँच मोती	=	[ ]	+	5 इकाई
56	=	पाँच माला	+	छः मोती	=	[ ]	+	[ ]

इन दस मोतियों की माला/बंडल को एक दहाई के रूप में तथा मोतियों को इकाई के रूप में समझा जा सकता है।

दस इकाइयाँ मिलकर एक दहाई बनती है।

दहाई—इकाई

हम यह जान चुके हैं कि

34	=	3 दहाई	+	4 इकाई
15	=	1 दहाई	+	5 इकाई
52	=	5 दहाई	+	2 इकाई

इसी प्रकार नीचे लिखी संख्या में इकाई एवं दहाई पहचानो।

संख्या	दहाई	इकाई
21	2	1
42	4	2
15	1	
32		
12		
15		
23		
45		
67		
82		
94		

1 से 99 तक संख्याओं में इकाई एवं दहाई पहचानने का खेल खेलो।

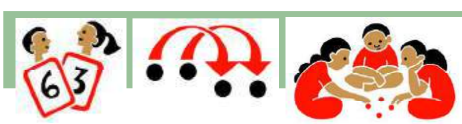

संख्या कितनी हुई?

संख्या लिखो –

1 दहाई + 4 इकाई = 14

4 दहाई + 3 इकाई = ☐

2 दहाई + 6 इकाई = ☐

अब नीचे चित्रों में संख्या लिखो –

3 दहाई 2 इकाई

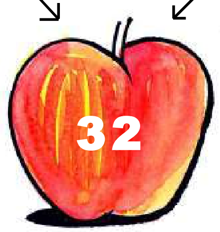

5 दहाई 5 इकाई

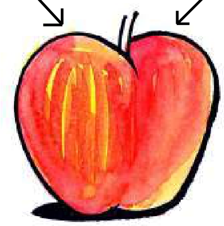

7 दहाई 1 इकाई

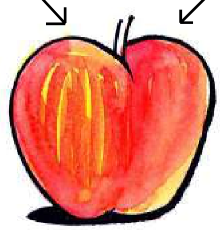

4 दहाई 8 इकाई

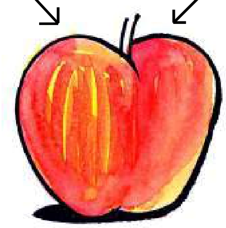

9 दहाई 8 इकाई

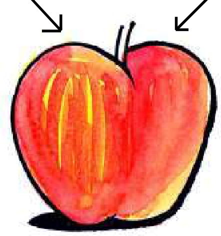

8 दहाई 4 इकाई

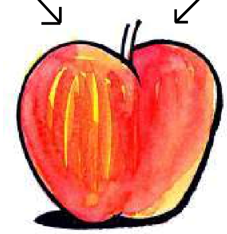

इसी प्रकार अपने साथियों के साथ नई–नई संख्याएँ बनाओ।

कौनसी संख्या किसके साथ?

मिलान करो

3 दहाई + 2 इकाई		59
9 दहाई + 3 इकाई		83
7 दहाई + 8 इकाई		35
5 दहाई + 9 इकाई		93
8 दहाई + 3 इकाई		78
1 दहाई + 6 इकाई		68
4 दहाई + 7 इकाई		99
2 दहाई + 5 इकाई		16
6 दहाई + 8 इकाई		47
3 दहाई + 5 इकाई		25
9 दहाई + 9 इकाई		32

कितनी दहाई कितनी इकाई

12 =

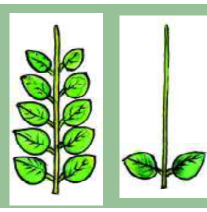

1 दहाई + 2 इकाई
10 इकाई + 2 इकाई
10 + 2

23 =

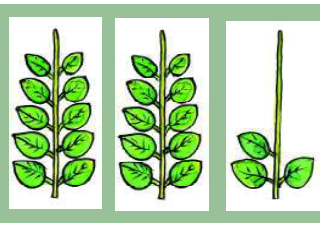

2 दहाई + 3 इकाई
20 इकाई + 3 इकाई
20 + 3

35 =

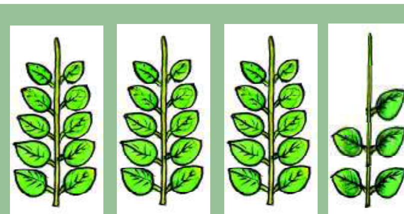

बिना चित्रों के बताओ कितनी दहाई कितनी इकाई

42 =

___ दहाई + ___ इकाई
___ इकाई + ___ इकाई
___ + ___

56 =

___ दहाई + ___ इकाई
___ इकाई + ___ इकाई
___ + ___

83 =

___ दहाई + ___ इकाई
___ इकाई + ___ इकाई
___ + ___

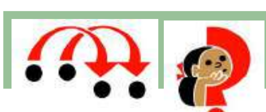

समझो और करो।

स्थानीय मान लिखो–

15
- इकाई के स्थान पर [5] का स्थानीय मान [5] है।
- दहाई के स्थान पर [1] का स्थानीय मान [10] है।

27
- इकाई के स्थान पर [7] का स्थानीय मान [ ] है।
- दहाई के स्थान पर [2] का स्थानीय मान [ ] है।

36
- इकाई के स्थान पर [ ] का स्थानीय मान [ ] है।
- दहाई के स्थान पर [ ] का स्थानीय मान [ ] है।

49
- दहाई के स्थान पर [ ] का स्थानीय मान [ ] है।
- इकाई के स्थान पर [ ] का स्थानीय मान [ ] है।

50
- इकाई के स्थान पर [ ] का स्थानीयमान [ ] है।
- दहाई के स्थान पर [ ] का स्थानीय मान [ ] है।

84
- दहाई के स्थान पर [ ] का स्थानीय मान [ ] है।
- इकाई के स्थान पर [ ] का स्थानीय मान [ ] है।

अन्य संख्याओं के साथ भी ऐसा खेल खेलो।

दहाई और इकाई

देखो और बताओ–

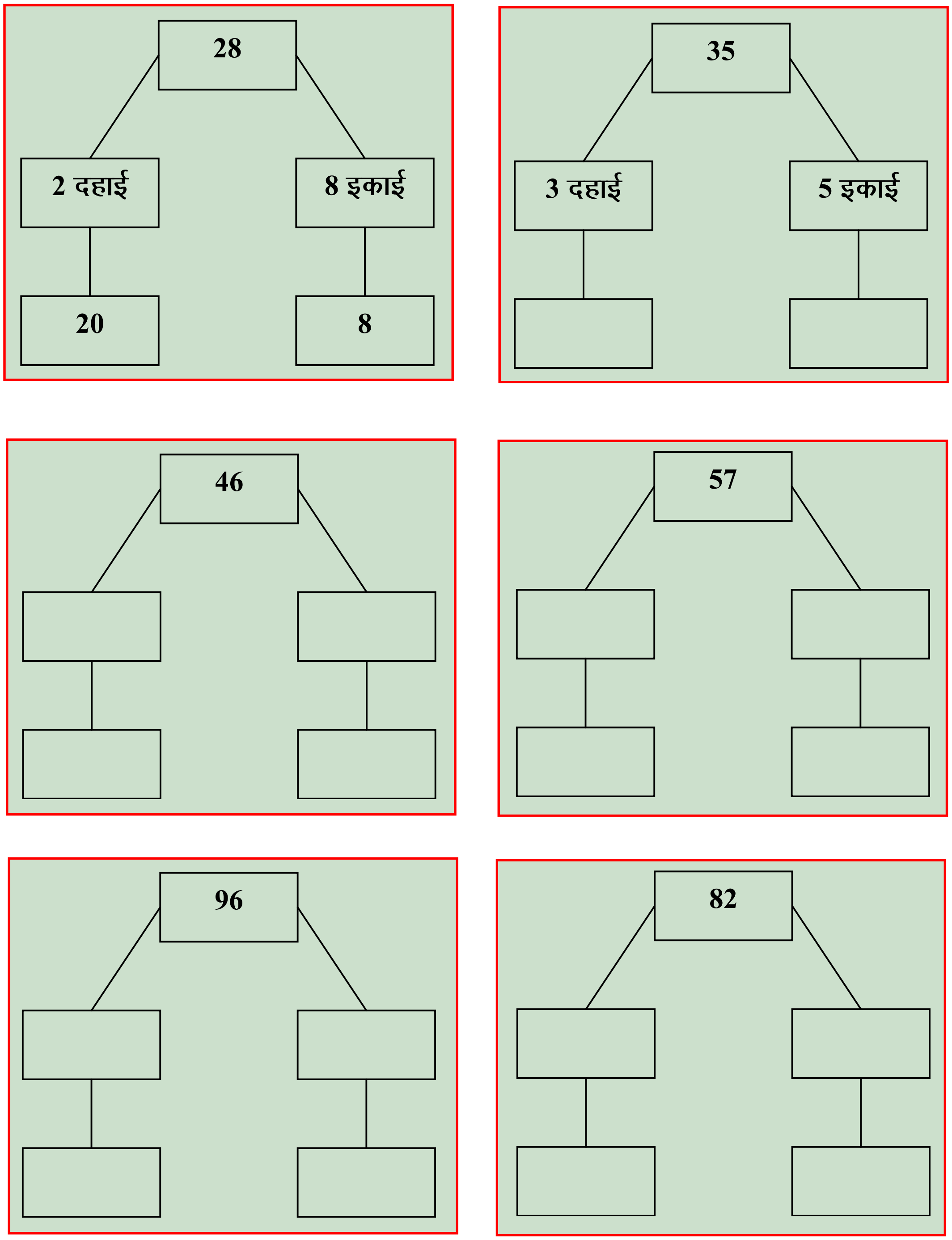

अन्य संख्याओं के साथ भी ऐसा खेल खेलो।

दिए गए दो अंकों की मदद से सबसे छोटी व सबसे बड़ी संख्या बनाना।

आओ कुछ संख्याएँ बनाएँ।

1. यदि हमें 5 और 2, दो अंक दिए गए हैं तो इनसे मिलकर बनने वाली संख्याएँ होंगी– 52 और 25
2. 3 और 7 से बनने वाली संख्याएँ होंगी– 37 और 73

अब 1 से 9 तक के अंक कार्ड लो। इनमें से कोई दो कार्ड निकालो। इन्हें अलग–अलग तरह से ऐसे जमाओ कि अलग–अलग संख्याएँ बनें।

इसी तरह दो–दो कार्ड निकालते जाओ और हर बार बनने वाली संख्याएँ अपने साथियों को बताओ।

करके सीखो

दिए गए अंकों से संख्याएँ बनाओ।

(1) 7, 2, ..., ...

(2) 5, 8, ..., ...

(3) 3, 3, ..., ...

(4) 6, 4, ..., ...

(5) 7, 8, ..., ...

(6) 9, 9, ..., ...

1 से 9 तक के अंक कार्ड के दो सेट लो। इनमें से कोई दो कार्ड निकालो इनसे बनने वाली संख्याएँ लिखो। बताओ दो अंकों की सबसे छोटी और सबसे बड़ी संख्या कौन–कौन सी हैं ?

समूह बनाओ।

दो दो के समूह बनाओ

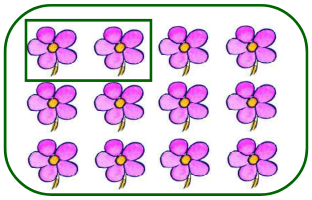

कितने फूल हैं

कितने समूह बने

कितने फूल बचे

तीन–तीन के समूह बनाओ

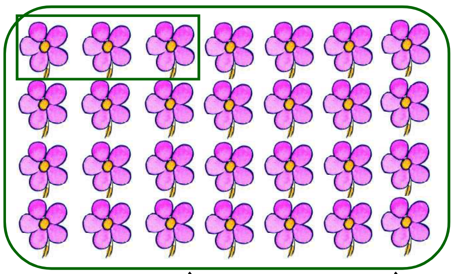

कितने फूल हैं

कितने समूह बने

कितने फूल बचे

चार–चार के समूह बनाओ

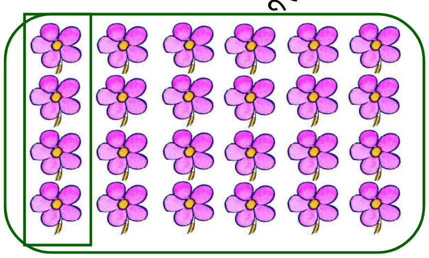

कितने फूल हैं

कितने समूह बने

कितने फूल बचे

पांच–पांच के समूह बनाओ

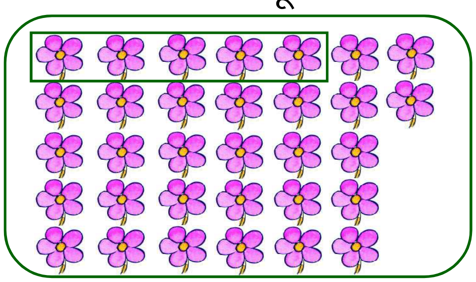

कितने फूल हैं

कितने समूह बने

कितने फूल बचे

दस–दस के समूह बनाओ

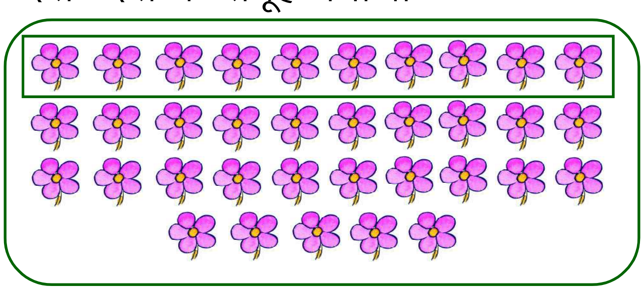

कितने फूल हैं

कितने समूह बने

कितने फूल बचे

ऐसे ही और नए समूह बनाओ।

अंकों को शब्दों में लिखना।

अंक	शब्द	अंक	शब्द
1	एक	11	ग्यारह
2	दो	12	बारह
3	तीन	13	तेरह
4	चार	14	चौदह
5	पाँच	15	पंद्रह
6	छः	16	सोलह
7	सात	17	सतरह सत्रह
8	आठ	18	अठारह
9	नौ	19	उन्नीस
10	दस	20	बीस

IT8Z81

इन अंकों को शब्दों में लिखो –

1		15		2	
5		18		4	
8		20		13	
10		9		17	
12		6		14	

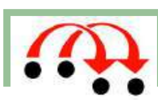

ITFUAK

अध्याय 3 जोड़ना

और बराबर

4 + 3 = 7

4 और 3 मिलकर 7 होते हैं।

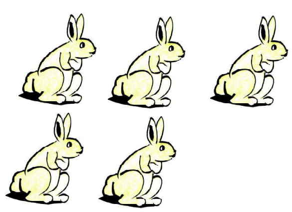 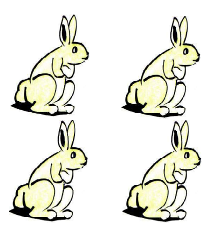 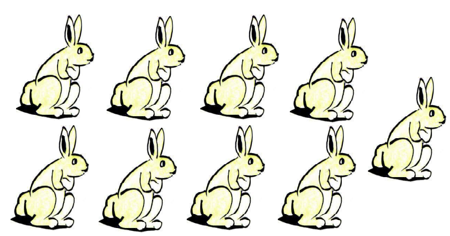

5 + 4 = [ ]

5 और 4 मिलकर 9 होते हैं।

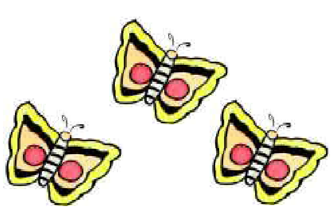 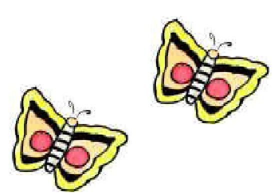 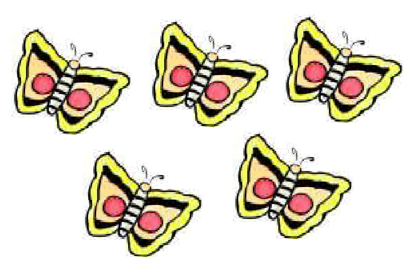

[ ] + [ ] = [ ]

3 और 2 मिलकर 5 होते हैं।

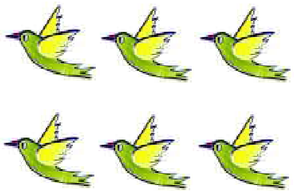 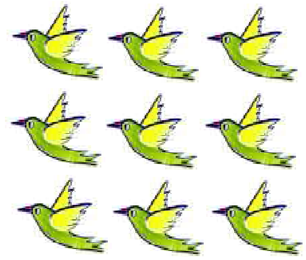

□ + □ = □

.... और .... मिलकर .... होते हैं।

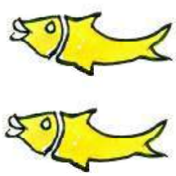 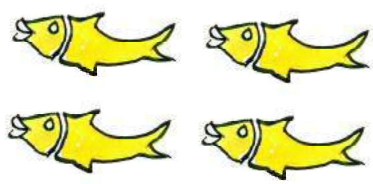 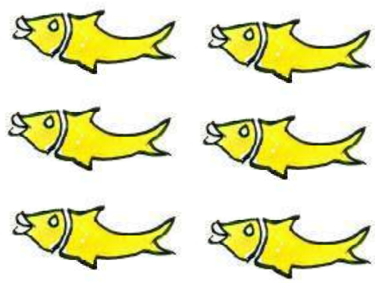

□ + □ = □

2 और .... मिलकर .... होते हैं।

अब इन्हें भी जोड़ो –

3 + 2 = □	6 + 2 = □	8 + 1 = □
2 + 3 = □	2 + 6 = □	1 + 8 = □
5 + 2 = □	4 + 4 = □	7 + 2 = □
2 + 5 = □	5 + 3 = □	2 + 7 = □
4 + 3 = □	7 + 1 = □	5 + 4 = □
3 + 4 = □	3 + 5 = □	4 + 5 = □
6 + 1 = □	8 + 0 = □	6 + 3 = □

कौन ज्यादा चढ़ा?

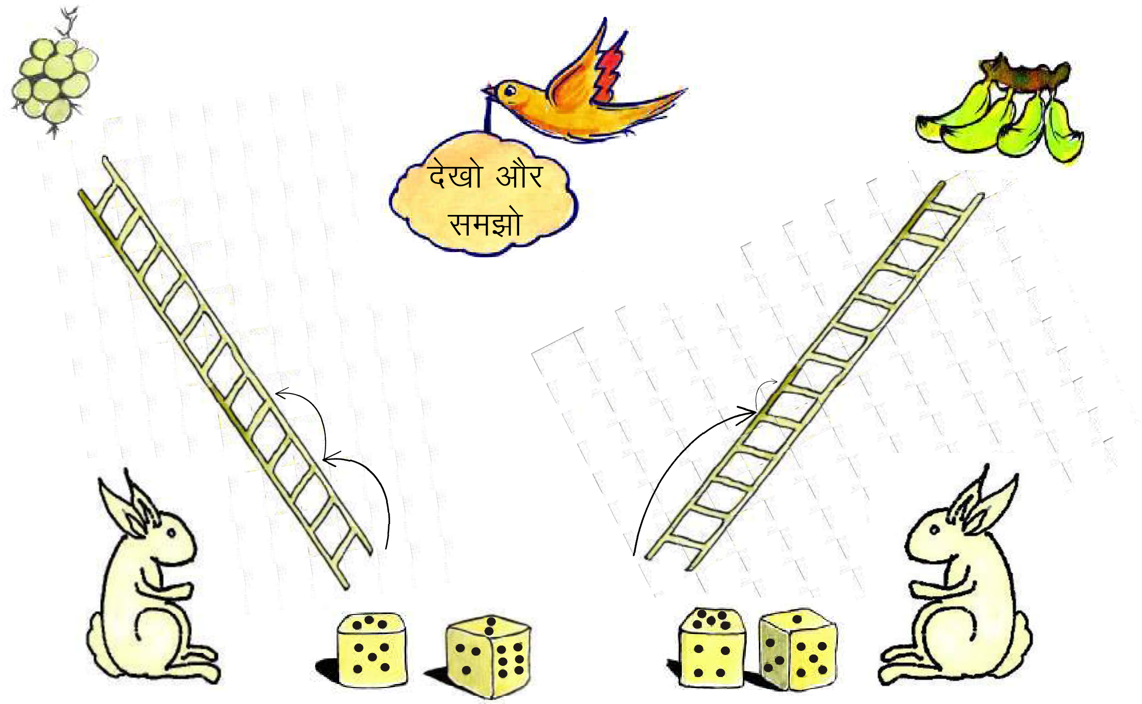

सोनू और मोनू दो–दो पासों से खेल रहे थे। जितना पासे पर आये उतनी सीढ़ी पर चढ़ें। सोनू का 3 और 2 आया, वह पहले 3 और फिर 2 चला। मोनू के पासों पर 5 और 1 आया। दोनों झगड़ने लगे। सोनू बोला हम बराबर हैं, एक तुम्हारे पासे पर बड़ी संख्या और एक मेरे पासे पर बड़ी संख्या। मोनू बोला मेरा जोड़ तुम से ज्यादा है। उसने खानों में रंग भरा। पहले 5 में और फिर 1 में और बोला तुम तो 5 ही रंग पाओगे, मैंने तो 6 खाने रंग दिए। तुम भी ऐसे ही खेलो और खाने रंग कर देखो किसका जोड़ अधिक आया।

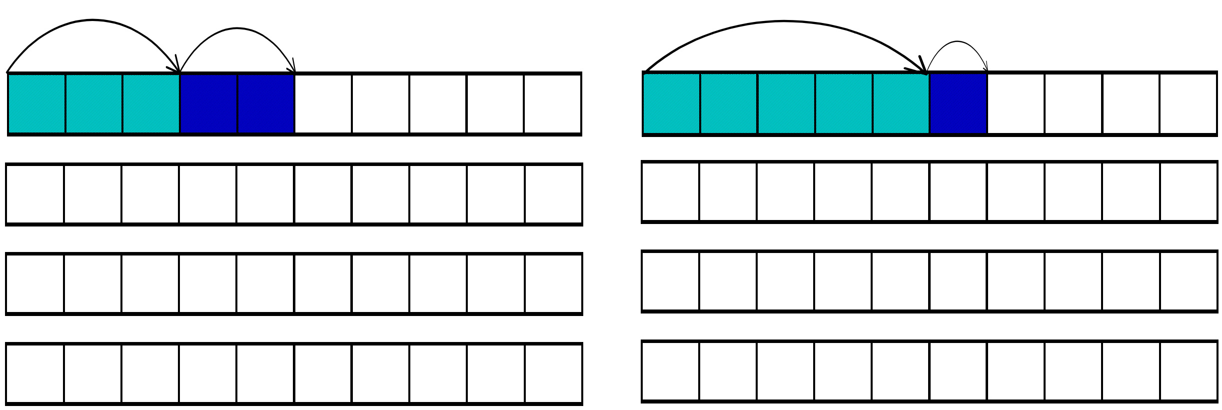

कॉपी में और भी खाने बना कर खेलो।

किसने कितने उठाए?

चार साथी मिलकर एक समूह बनाओ। बाहर से कंकड़ ले आओ। प्रत्येक बच्चा आँखें बन्द करके ढेरी से कुछ कंकड़ उठाओ। सब अपने–अपने कंकड़ गिनो।

पहले बच्चे के पास कितने कंकड़ आए? = ☐

दूसरे बच्चे के पास कितने कंकड़ आए? = ☐

तीसरे बच्चे के पास कितने कंकड़ आए? = ☐

चौथे बच्चे के पास कितने कंकड़ आए? = ☐

पहले और दूसरे बच्चे के पास कुल कितने कंकड़ हुए?

☐ + ☐ = ☐

तीसरे और चौथे बच्चे के पास कुल कितने कंकड़ हुए?

☐ + ☐ = ☐

चारों बच्चो के पास कुल कितने कंकड़ हुए?

☐ + ☐ = ☐

कंकड़ वापस मिला दो। एक बार फिर कंकड़ उठाओ और गिन कर नई तालिका भरो।

किसके पास कितनी?

कक्षा के बच्चे 4–4 के समूह में बँट जाओ। अपनी–अपनी कॉपी, किताबों को गिनो और लिखो। किसी समूह के एक बच्चे की कॉपी व किताब संख्या दी गई है। आप अपनी किताबों और कॉपियों की संख्या इसी प्रकार पंक्ति में भरो।

	नाम	कॉपी	किताब
तुम्हारा नाम			
पहले दोस्त का			
दूसरे दोस्त का			
तीसरे दोस्त का			

तुम्हारे पास कुल कितनी कॉपी और किताबें हैं? = ☐

–––––– के पास कितनी कॉपी और किताबें हैं? = ☐

–––––– के पास कितनी कॉपी और किताबें हैं? = ☐

–––––– के पास कितनी कॉपी और किताबें हैं? = ☐

समूह के चारों बच्चों के पास कुल कितनी कॉपियाँ हैं? = ☐

समूह के चारों बच्चों के पास कुल कितनी किताबें हैं? = ☐

तुम चारों के पास कुल कितनी कॉपी व किताबें हैं? = ☐

और भी चीजें गिनो और जोड़ो।

हल करें?

1. तुम्हारे पास 4 फूल थे। रश्मि ने तुम्हें 2 फूल और दिए। अब तुम्हारे पास कुल कितने फूल हो गये ?
2. रानी के पास 10 मालाएँ थीं। राजा ने उसे 7 मालाएँ और दे दीं। अब रानी के पास कुल कितनी मालाएँ हो गईं ?

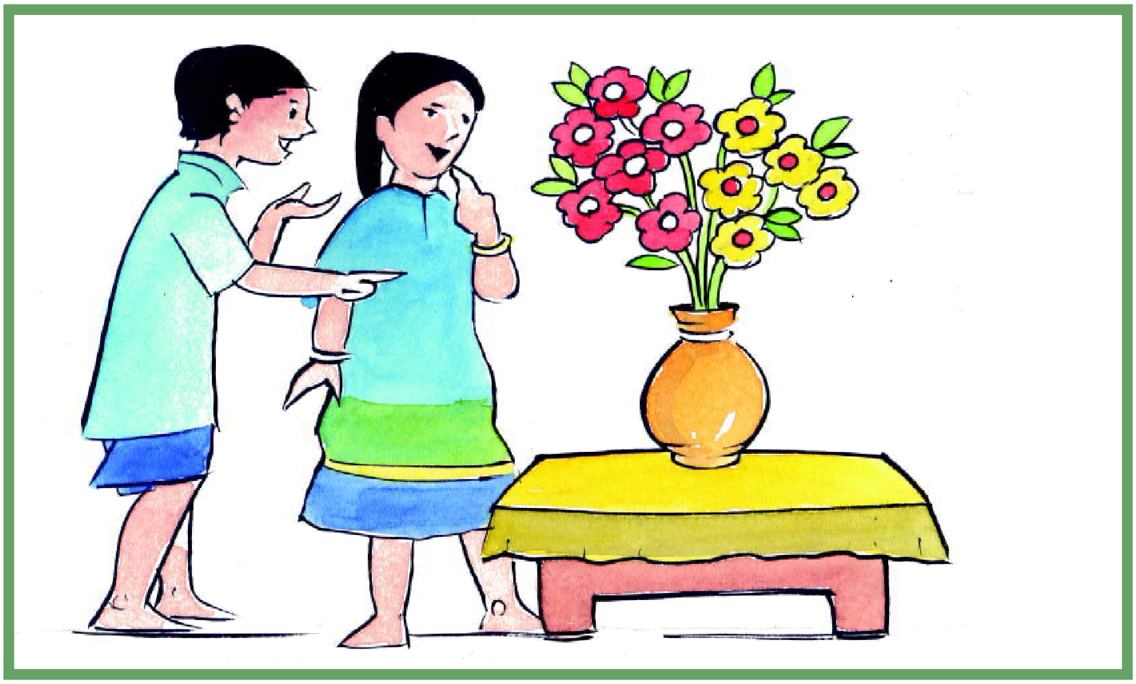

3. एक गुलदस्ते में 6 फूल लाल रंग के और 5 फूल पीले रंग के हैं। बताओ कि गुलदस्ते में कुल कितने फूल हैं?
4. अनिता के दोनों हाथों में 8–8 चूड़ियाँ हैं। बताओ अनिता ने कुल कितनी चूड़ियाँ पहन रखी हैं?
5. दूसरी कक्षा में 8 पुरानी टाटपट्टियाँ और 5 नई टाटपट्टियाँ हैं। कक्षा में कुल कितनी टाटपट्टियाँ हैं?
6. सुमीत के पास 4 रुपये और सौरभ के पास 6 रुपये थे। दोनों को 3–3 रुपये और मिले। अब उनके पास कितने–कितने रुपये हो गये?
7. मीना के पास 5 खिलौने और सुरभि के पास 3 खिलौने थे। दोनों को 2–2 खिलौने और मिले। अब उन दोनों के पास कुल कितने खिलौने हो गये?

संख्या रेखा पर जोड़

(1)
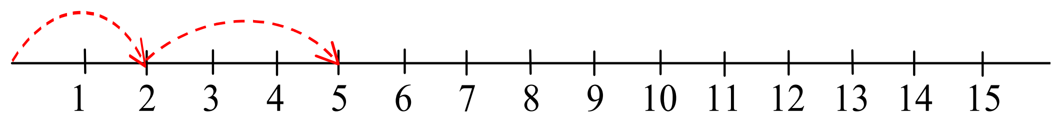

2 + 3 = 5

(2)
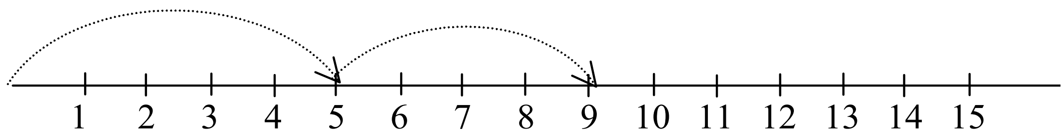

5 + □ = 9

(3)
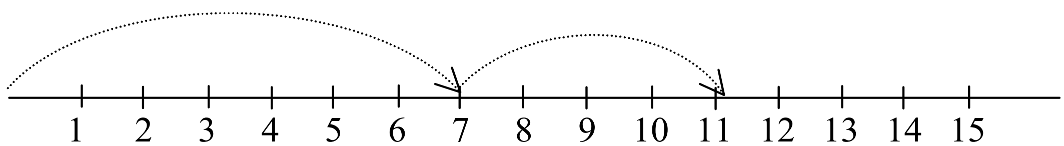

□ + □ = 11

(4)
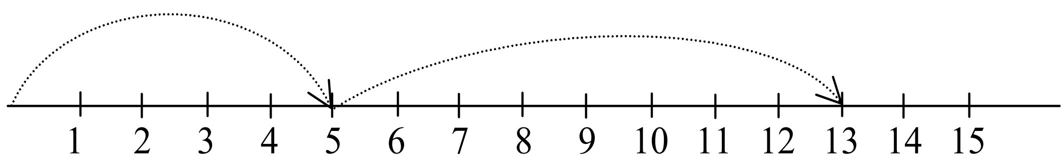

□ + □ = □

(5)
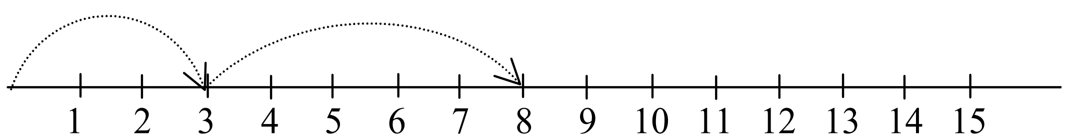

□ + □ = □

(6)
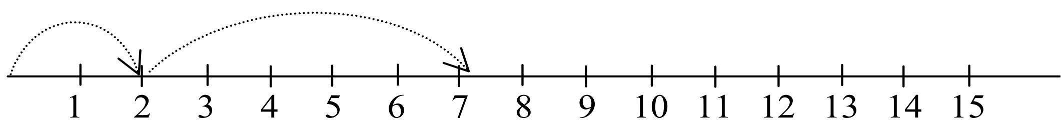

□ + □ = □

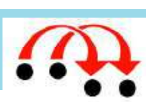

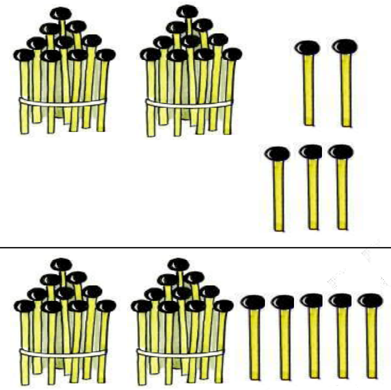

→ 22

\+

→ 3

→ 25

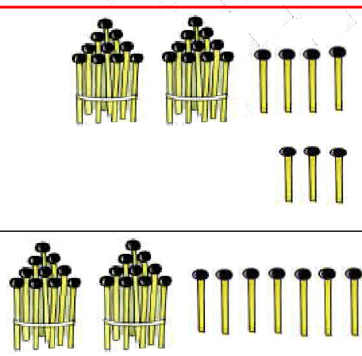

→ ☐

\+

→ 3

→ ☐

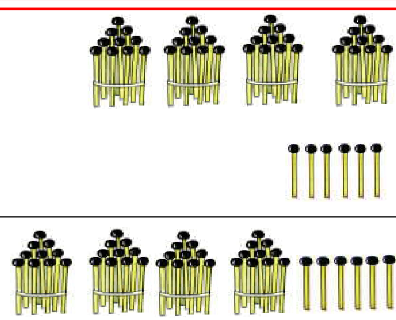

→ ☐

\+

→ ☐

→ ☐

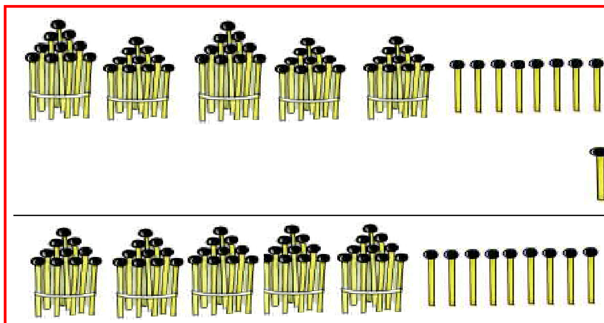

→ ☐

\+

→ ☐

→ ☐

हल करो

जोड़ो –

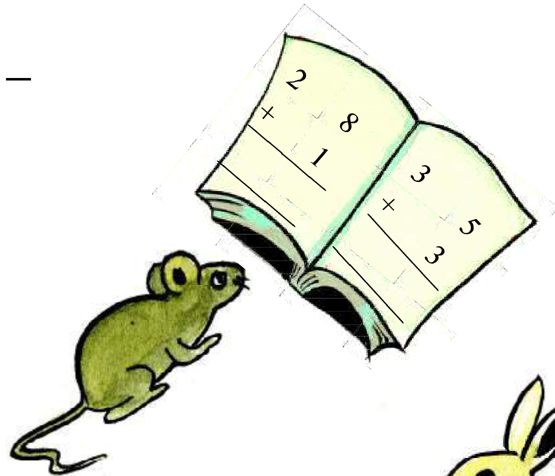

46 और 3 जोड़ो

72 और 26 जोड़ो

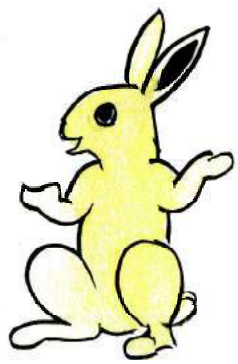

62 और 7 जोड़ो

30 और 20 जोड़ो

23 और 6 जोड़ो

35 और 3 जोड़ो

$$\begin{array}{r} 64 \\ +\ 5 \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 20 \\ +\ 4 \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 53 \\ +\ 6 \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 71 \\ +\ 8 \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 13 \\ +\ 4 \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 98 \\ +\ 1 \\ \hline \end{array}$$

कुछ और सवाल

इकाई = इ.
दहाई = द.

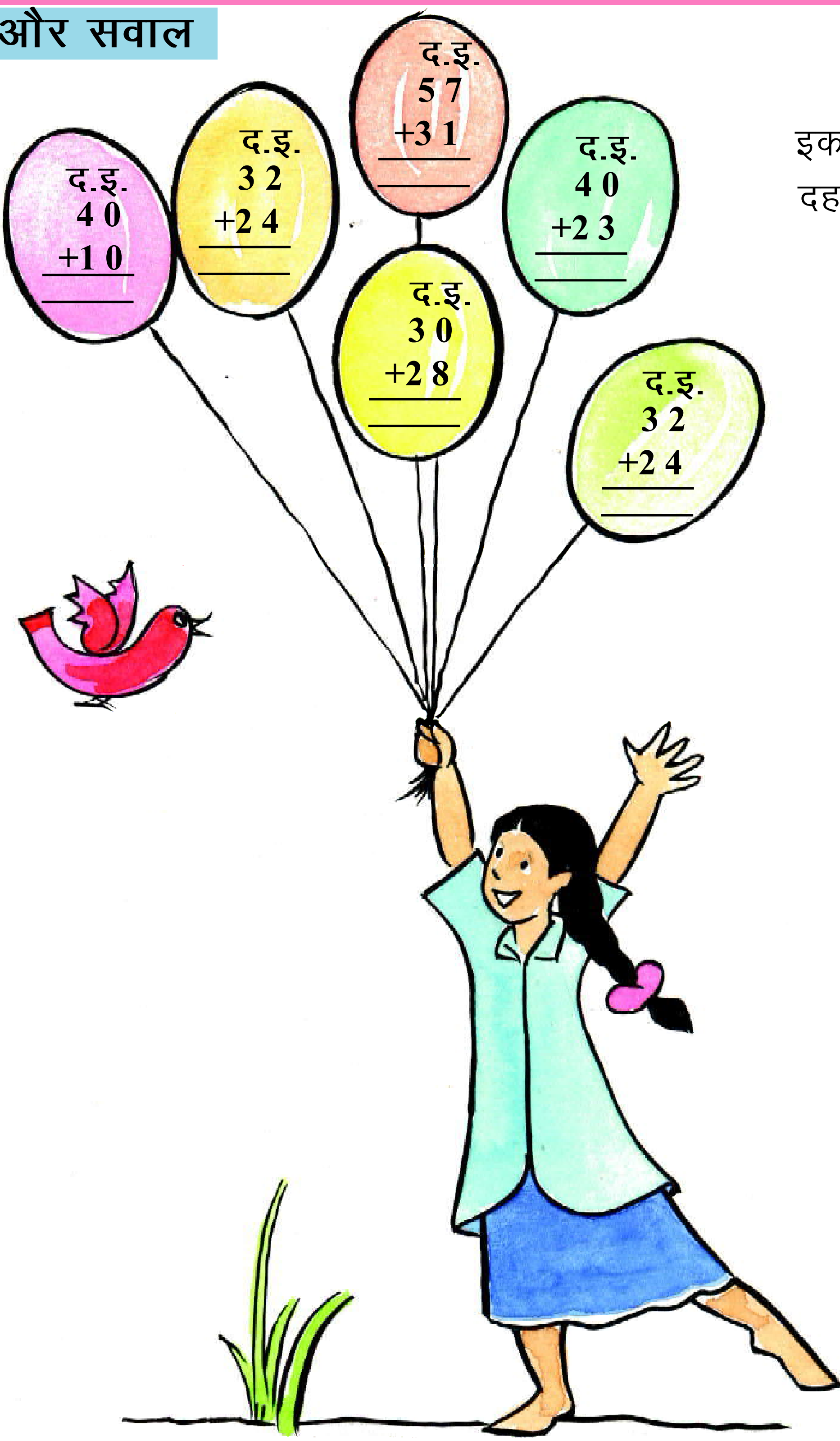

ऐसे और भी सवाल बनाओ और हल करो।

इबारती प्रश्न

1. ललिता को अपने खेल के लिये 25 बीज चाहिए। शीला को चित्र पर रखने के लिए 22 बीज चाहिये। दोनों को कुल कितने बीज चाहिये?
2. तारा बहिनजी ने दो बच्चों को 12–12 पेंसिलें बाँटने को दी। बहिनजी ने कुल कितनी पेंसिलें बाँटने को दीं?
3. राहुल के पास 10 खिलौने थे। उसकी बुआ ने उसे 3 खिलौने और दिये। अब राहुल के पास कुल कितने खिलौने हैं?
4. कमला के बगीचे में आम के 15 व केले के 8 पेड़ हैं। बगीचे में कुल कितने पेड़ हैं?
5. मंगलू के पास 17 गायें थीं। उसने 13 गायें और खरीदीं। अब उसके पास कितनी गायें हैं?
6. गुलाब के एक पौधे पर 8 फूल हैं। दूसरे पौधे पर 12 फूल हैं। दोनों पौधों पर मिलाकर कितने फूल हैं?
7. एक विद्यालय में 45 छात्र थे। 12 नए छात्रों ने और प्रवेश लिया। अब विद्यालय में कितने छात्र हो गए?
8. सेठजी की दुकान में 12 किलोग्राम शक्कर थी। उन्होंने 17 किलोग्राम शक्कर और खरीदी अब उनकी दुकान में कितनी शक्कर है?
9. एक फल वाले के पास 25 किलोग्राम चीकू 12 किलोग्राम आम और 7 किलोग्राम सेब हैं। बताइये फल वाले के पास कितने किलोग्राम फल हैं।

इन्हें भी हल करें

1. 33 + 45 = ☐
2. 12 + 27 = ☐
3. 21 + 7 = ☐

4.
```
   3 5
 + 4 2
 -----
 -----
```

5.
```
   3 1
 + 4 0
 -----
 -----
```

6.
```
   2 0
 + 1 3
 -----
 -----
```

ऐसे और भी सवाल बनाओ और हल करो।

चटकू और मटकू

चटकू, मेरे पास चौदह बेर हैं। दस इस थैले में और चार अलग से।
मेरे पास नौ बेर हैं मटकू। लो इन्हें भी तुम रख लो।
सब मिलाने पर कितने होंगे?
चलो सोचते हैं।
इनमें से दस बेर की एक थैली और बन सकती है। तीन बेर बचे रहेंगे।
इस थैले में तो दस हैं ही। मेरे पास के बाकी चार और तुम्हारे दिए हुए नौ मिले।
दस–दस बीस और तीन.. कुल तेइस बेर हैं चौदह और नौ मिलकर तेईस हुए

बंडल व तीली

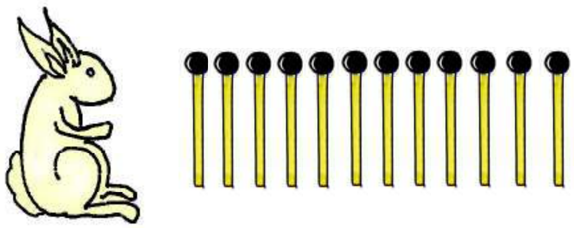

= 12

दस तीलियों का एक बंडल बाँध लो।

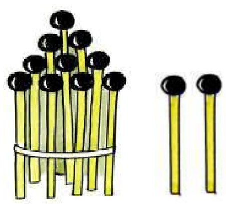

= 10 + 2

10 तीलियों से बना 1 बंडल	=	1 दहाई
2 खुली तीलियाँ	=	2 इकाई

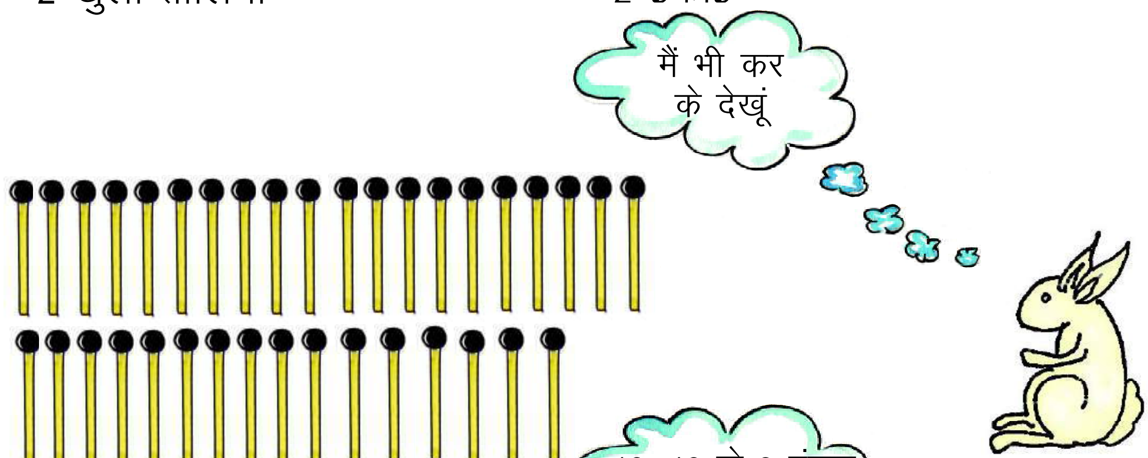

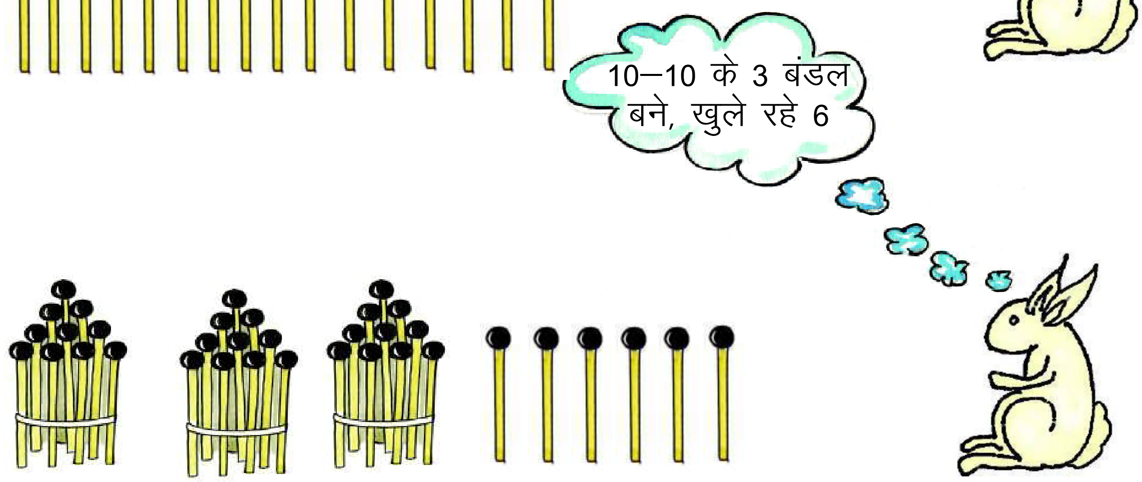

जोड़ना

सबको मिलाने पर कितनी तीलियाँ होगी?

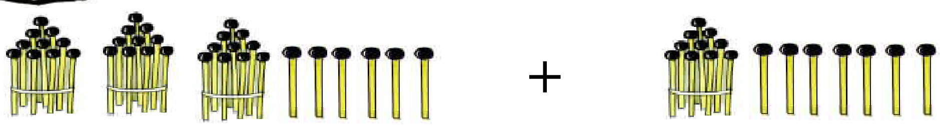

सब मिलकर 4 बंडल एवं 13 तीलियाँ हुईं।

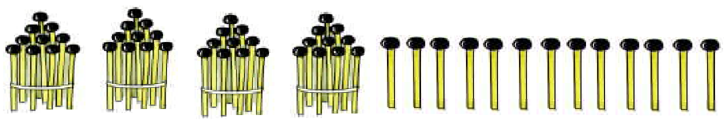

अब इन 13 खुली तीलियों से तो एक बंडल और बन सकता है।

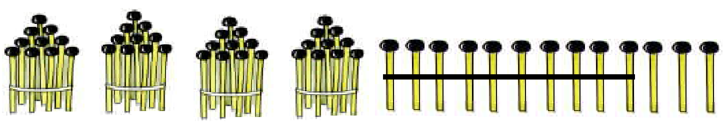

पहले चार बंडल थे, अब एक नया बंडल और बन गया है तो इसे भी हम चार बंडलों के साथ रख लें। अब हमारे पास हो गये 5 बंडल और 3 तीलियाँ

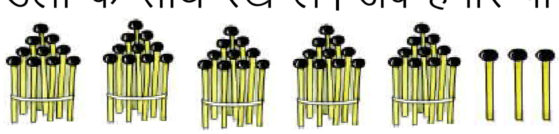

इसे हम ऐसे भी लिख सकते हैं।

(यह तो तुमने पढ़ा है कि बंडल मतलब दहाई और खुले मतलब इकाई)

	द.	ई.
(1)	3	6
+	1	7
	4	(1) 3
	5	3

= 4 दहाई + 13 इकाई = 4 दहाई + 10 इकाई + 3 इकाई

= 4 दहाई + 1 दहाई + 3 इकाई

= 5 दहाई + 3 इकाई

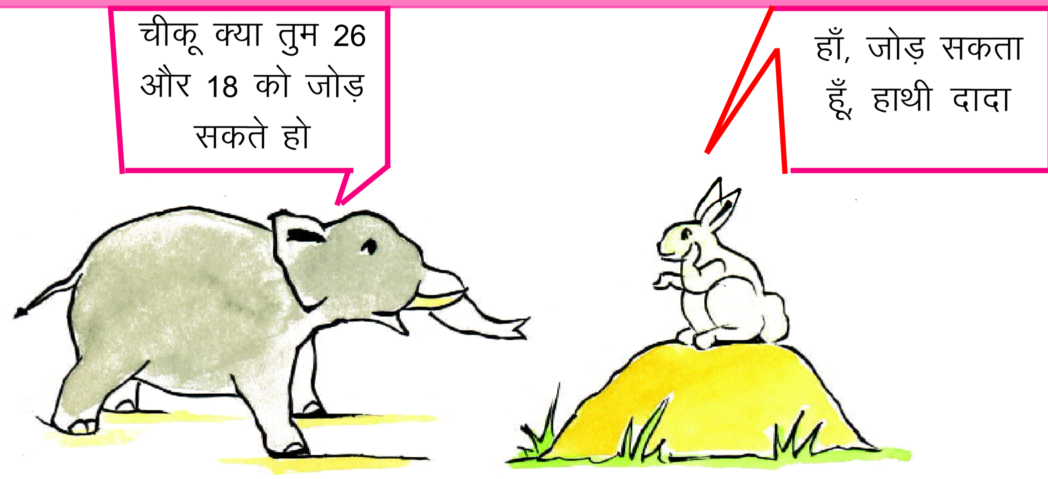

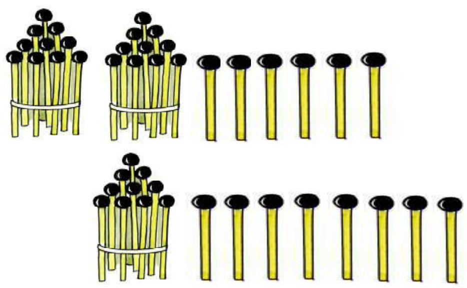

	द.	ई.
(1)	2	6
+	1	8
	3	(1) 4

→

	द.	ई.
	1	
	2	6
+	1	8
	4	4

तुम भी जोड़ो –

```
  3 9
+ 2 0
  [ ]
```

```
  5 5
+ 1 6
  [ ]
```

```
  6 0
+ 2 8
  [ ]
```

```
  3 5
+ 2 5
  [ ]
```

```
  7 4
+ 1 8
  [ ]
```

4 5 + 4 8	2 8 + 2 4	3 9 + 4 7
5 8 + 3 4	6 5 + 2 5	5 4 + 3 6
3 4 + 3 6	2 7 + 3 7	2 5 + 6 5
6 8 + 2 7	7 8 + 1 3	5 3 + 1 8
3 7 + 2 7	8 0 + 1 9	6 5 + 2 5

ऐसे और भी सवाल बनाओ और हल करो। सबसे मुश्किल सवाल कौन सा लगा?

कुछ और सवाल

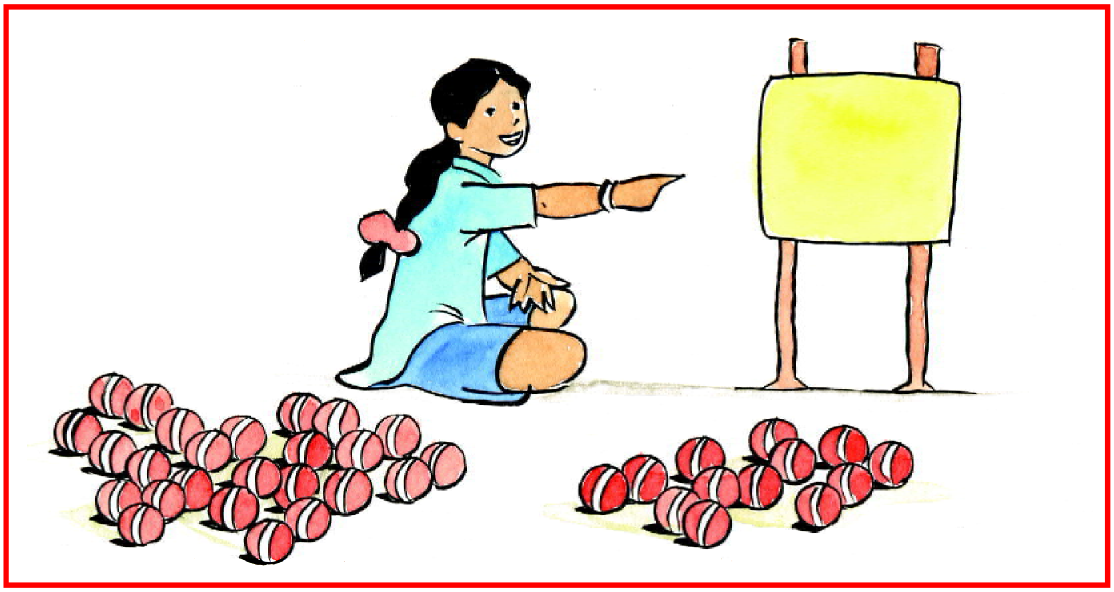

1. अनिल के पास 25 गेंद हैं। रमेश ने उसे 13 गेंद और दीं। अब अनिल के पास कुल कितनी गेंद हो गईं?
2. संजय के घर में अमरूद के 18 पेड़ और नीबू के 23 पेड़ लगे हुए हैं। बताओ संजय के घर कुल कितने पेड़ लगे हुए हैं?
3. एक बस में 32 यात्री बैठे थे। उसमें 10 यात्री और आ गये। अब बस में कुल कितने यात्री बैठे हैं?
4. एक क्यारी में 26 पौधे लगे हैं और दूसरी क्यारी में 35 पौधे लगे हैं। दोनों क्यारियों में कुल कितने पौधे लगे हुए हैं?
5. रामू 25 बकरियाँ और 15 भेड़ चराने ले गया। रामू कुल कितने जानवर चराने ले गया?
6. सुशीला ने 68 रुपये के सेब और 44 रुपये के केले खरीदे। उसने कुल कितने रुपये के फल खरीदे?
7. राजीव ने 20 रुपये की फुटबॉल खरीदी। अब उसके पास 10 रुपये बचे हैं। तो बताओ पहले उसके पास कुल कितने रुपये थे?
8. सुधीर के पास 15 प्लेटें और राजेन्द्र के पास 20 प्लेटें हैं। दोनों को 10–10 प्लेटें और मिलीं। अब दोनों के पास कितनी–कितनी प्लेटें हो गईं?

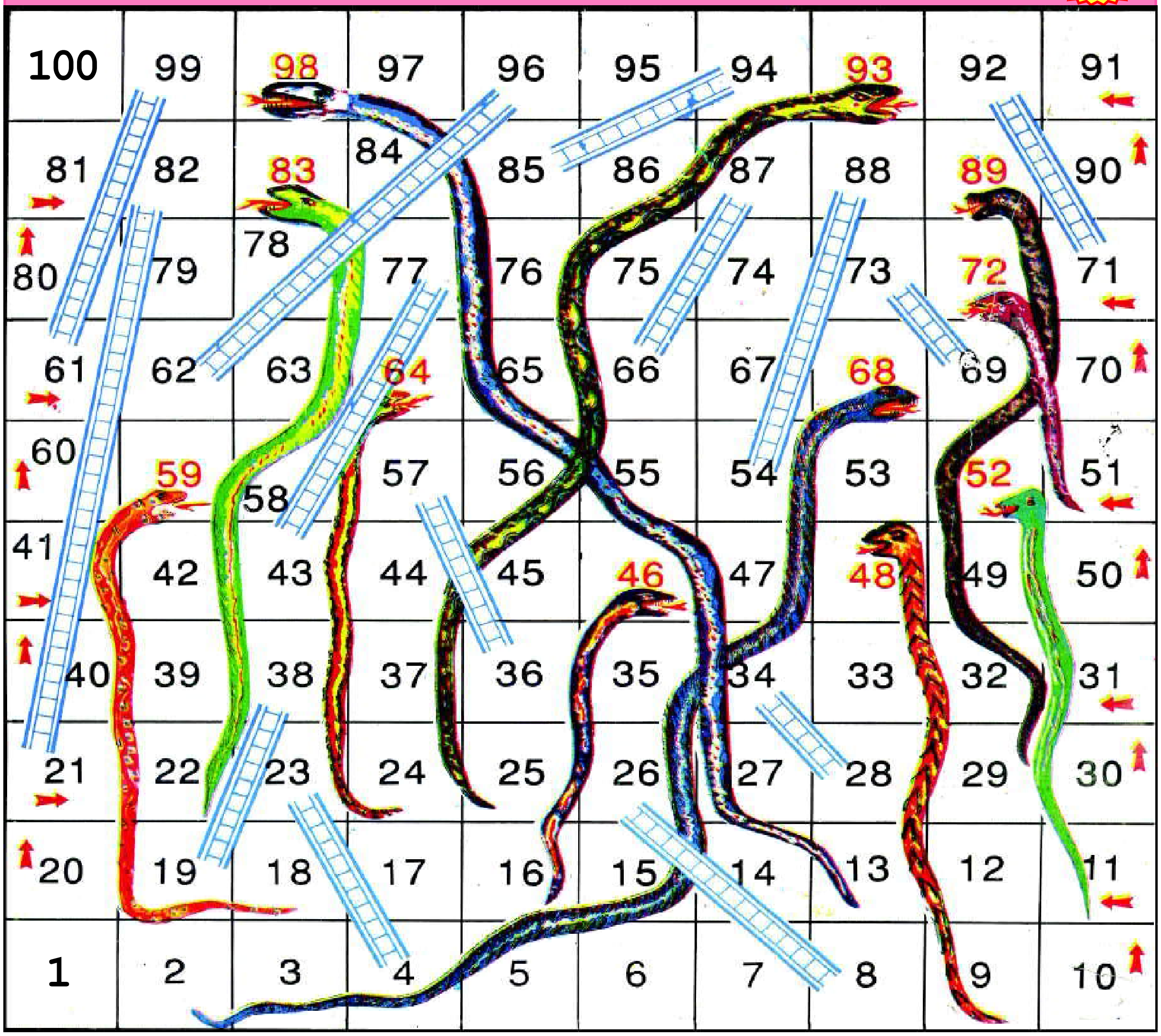

साँप–सीढ़ी खेलो व नीचे लिखे सवालों के जवाब भी दो।

(1) यदि तुम्हारी गोटी 5 पर है और तुम्हें 10 पर जाना है तो पासे पर कौनसी संख्या की जरूरत होगी?

(2) तुम 3 पर हो और पासे पर 5 संख्या आये तो तुम कहाँ पहुँचोगे? इसमें तुम्हें कितने घर का फायदा होगा।

(3) तुम 44 पर हो और तुम्हारे पासे में 2 आता है। अब तुम्हें कहाँ जाना होगा? कितने घर पीछे चले जाओगे?

इस खेल को खेलते जाओ, ऐसे और सवाल बनाओ और उन्हें हल करो।

इन्हें भी जोड़ो

$$\begin{array}{r} 9 \\ 13 \\ +\ 5 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 2 \\ 23 \\ +\ 4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

3+35+11=

4+12+23=

$$\begin{array}{r} 6 \\ 10 \\ +\ 20 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 13 \\ 21 \\ +\ 35 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 22 \\ 33 \\ +\ 45 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

20+30+40=

$$\begin{array}{r} 15 \\ 30 \\ +\ 44 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

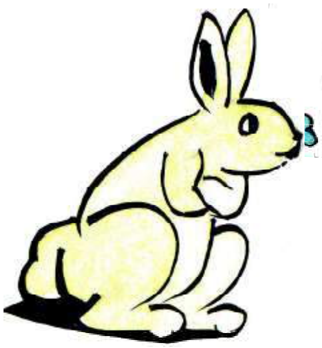

इन तीनों के पास कुल कितने फूल हैं?

	14	फूल
	22	फूल
+	32	फूल
	68	फूल

(1) एक बाग में 45 पेड़ अमरूद के, 23 पेड़ सेब के और 31 पेड़ अनार के हैं। बताओ बाग में कुल कितने पेड़ हैं?

(2) एक दर्जी ने 20 कमीज़ें, 31 पाजामे और 46 कुरते सिले। बताओ दर्जी ने कुल कितने कपड़े सिले?

(3) राजू ने 30 रुपये के खिलौने, 40 रुपये की किताबें और 10 रुपये की टॉफियाँ खरीदीं। बताओ उसने कुल कितने रुपये खर्च किये?

(4) एक बाग में 24 आदमी 18 औरतें और 11 बच्चे बैठे हैं। बताओ बाग में कुल कितने लोग बैठे हैं?

(5) एक टोकरी में 51 गेंद लाल रंग की, 35 गेंद पीली और 22 गेंद नीले रंग की हैं। बताओ टोकरी में कुल कितनी गेंद हैं?

(6) सुनीता ने पहले दिन 13 सवाल, दूसरे दिन 18 सवाल और तीसरे दिन 21 सवाल हल किए। बताओ सुनीता ने तीन दिनों में कुल कितने सवालों को हल किया?

अध्याय 4 घटाना

कितने बचे

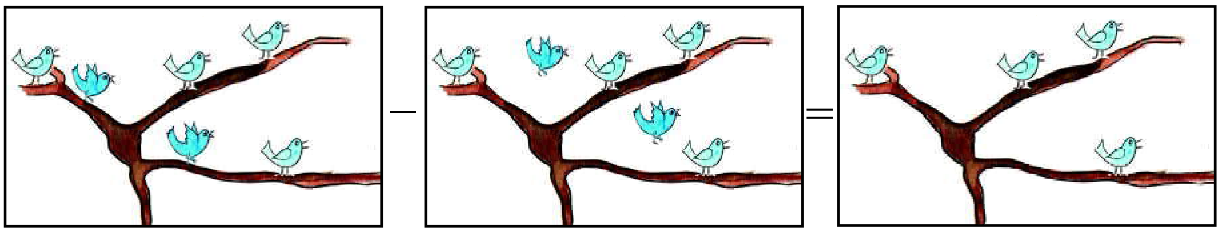

6	–	2	=	4

6 में से 2 निकल गए, 4 बचे

6 – 2 = 4

छः ऋण दो बराबर चार

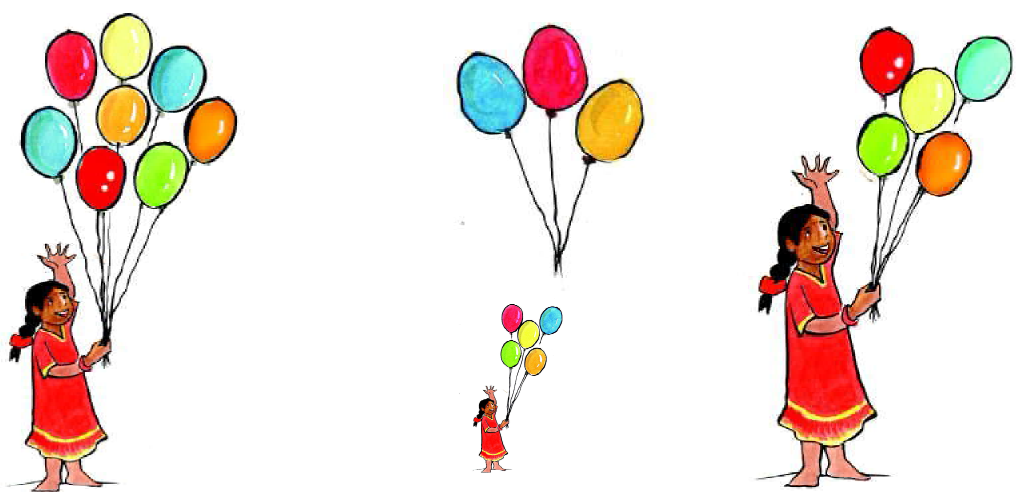

8	–	3	=	5

8 में से 3 निकल गए, 5 बचे

8 – 3 = 5

आठ ऋण तीन बराबर पाँच

5 − 2 = 3

5 में से 2 निकल गए, 3 बचे

5 − 2 = 3

पाँच ऋण दो बराबर तीन

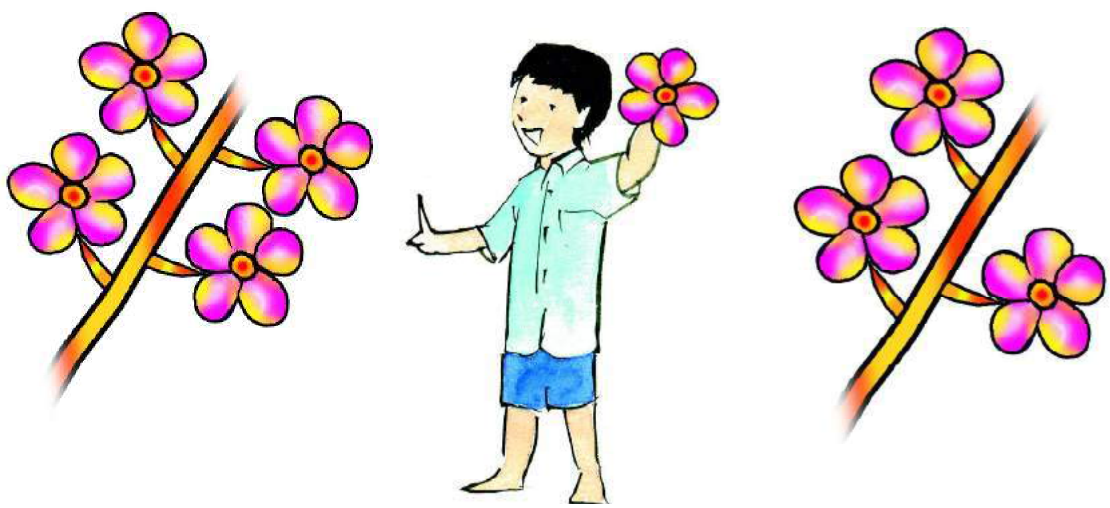

☐ − ☐ = ☐

और भी ऐसे सवाल बनाओ व हल करो।

कितने बचे, गिनकर लिखो।

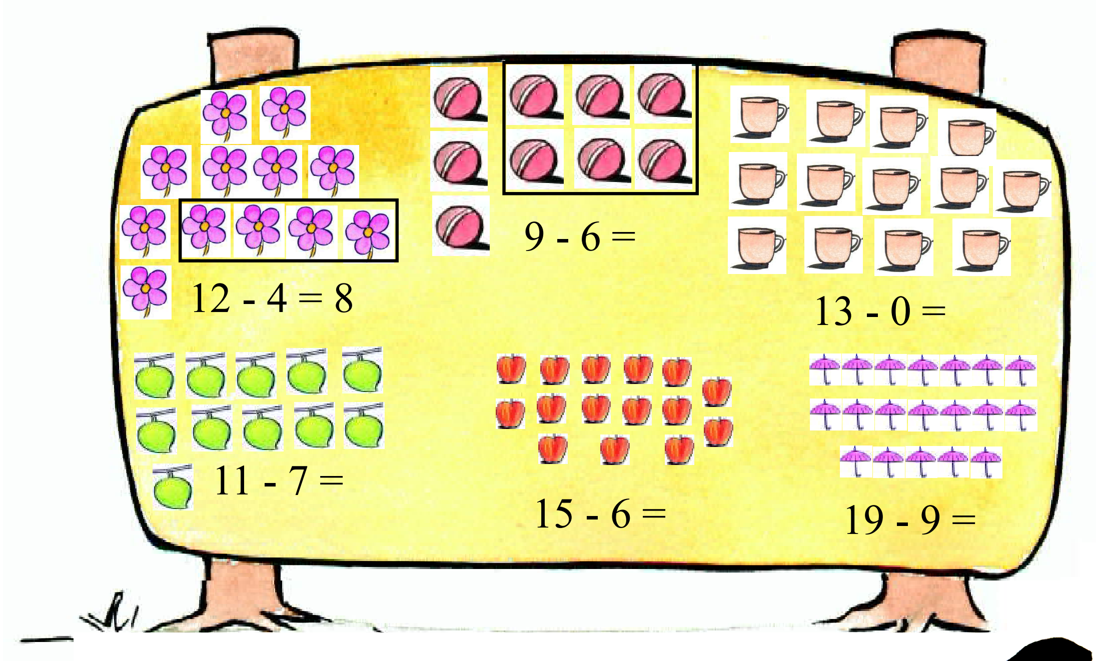

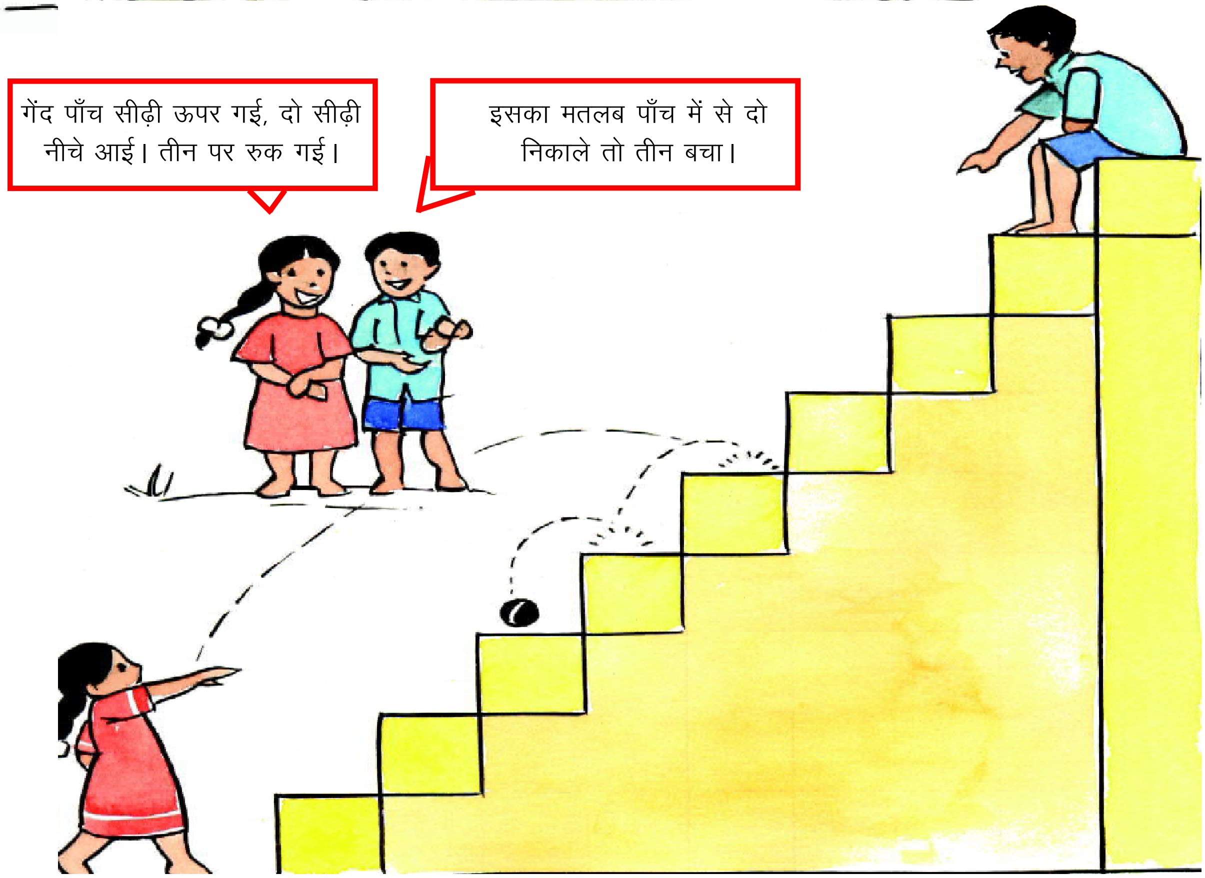

गेंद आठ सीढ़ी ऊपर गई और तीन सीढ़ी नीचे आई, तो कहाँ पहुँची? गेंद नौ सीढ़ी ऊपर गई और सात सीढ़ी नीचे आई तो कहाँ पहुँची?

ऐसे भी घटाओ

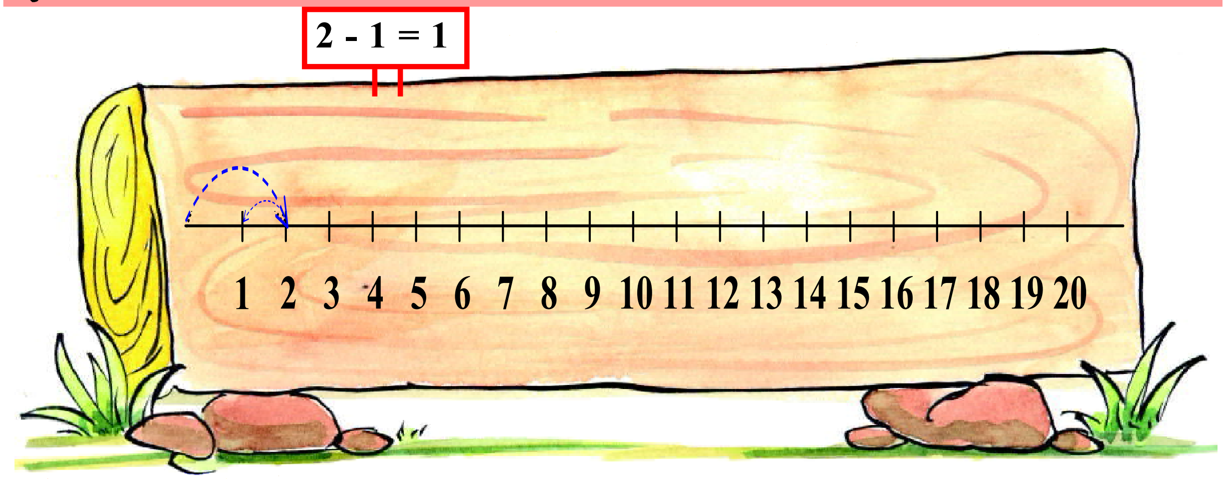
2 - 1 = 1
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20

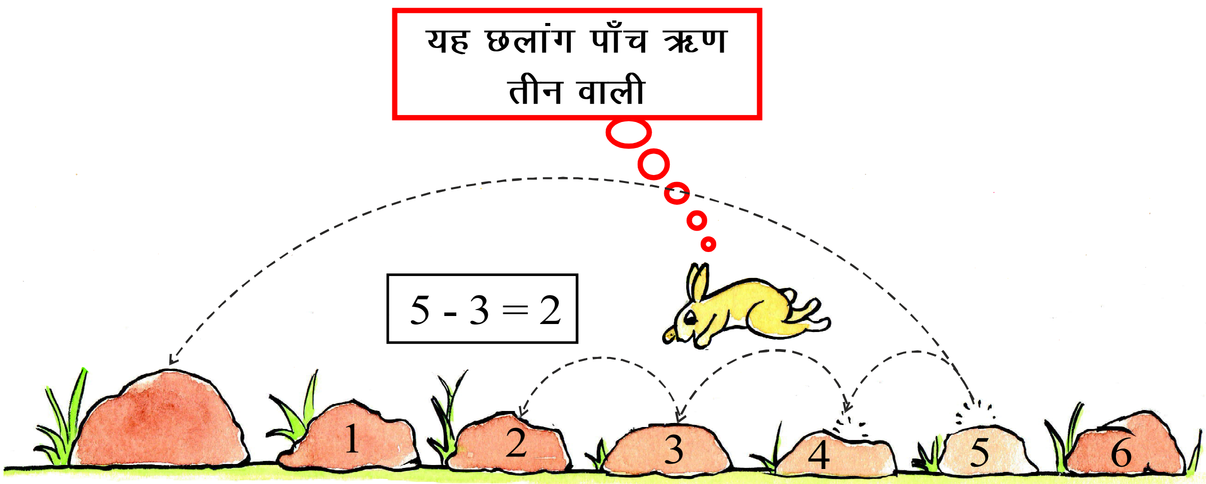
यह छलांग पाँच ऋण तीन वाली
5 - 3 = 2
1 2 3 4 5 6

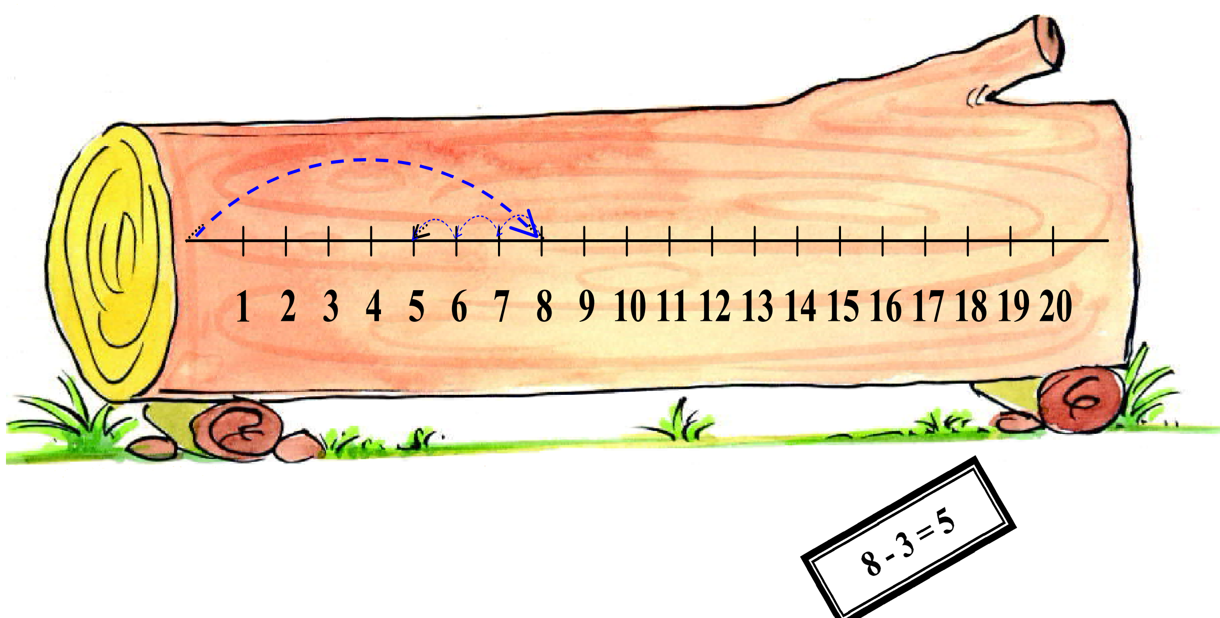
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20
8 - 3 = 5

संख्या रेखा पर दी गई संख्याएँ देखो और खाली स्थान भरो।

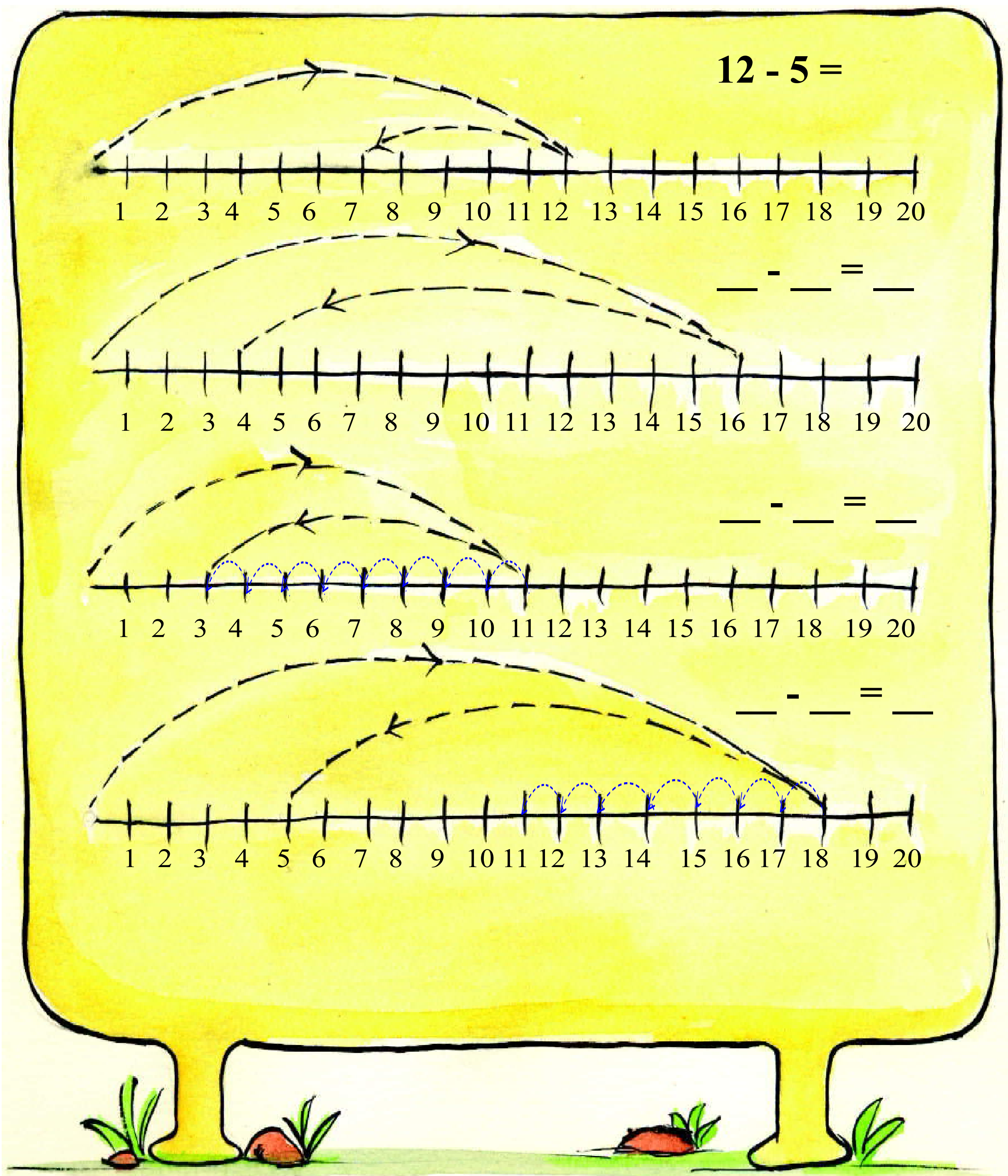

ऐसे और भी सवाल संख्या रेखा पर बनाओ और दोस्तों को भी हल करने को दो।